सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 9 ● अंक: 128 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, बुधवार, 14 जून, 2023
मूल्य ₹ 3/-

जो व्यवसाय कुछ और नहीं बस पैसे बनाना जानता है एक तुच्छ व्यवसाय है।
-हेनरी फोर्ड

1250 करोड़ के कर्ज से गिराई थी कमलनाथ... 7
रक्षा, शिक्षा और चिकित्सा में प्रयोग... 3
संविधान के विरुद्ध काम कर रहीं... 2

तमिलनाडु के मंत्री के घर ईडी का छापा, विपक्ष का जोरदार हमला

» मंत्री सेंथिल बालाजी के खिलाफ ईडी की कार्रवाई पर बवाल

» कांग्रेस बोली-ये तानाशाही

» डीमके ने मोदी सरकार पर बोला हमला

» एआईडीएमके ने किया ईडी की कार्रवाई का समर्थन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। तमिलनाडु सरकार के बिजली मंत्री सेंथिल बालाजी के खिलाफ ईडी की कार्रवाई से सियासत गरमा गई है। विपक्षी पार्टियों ने भाजपा की मोदी सरकार पर तानाशाही का आरोप लगाया है। जहां कांग्रेस ने सेंथिल को ईडी द्वारा हिरासत में लेने की आलोचना की है और इसे सत्ता का दुरुपयोग बताया है। वहीं तमिलनाडु में विपक्षी पार्टी एआईएडीएमके ने ईडी की कार्रवाई का समर्थन किया है और आरोपी मंत्री को कैबिनेट से हटाने की मांग की है।

मनी लॉन्ड्रिंग मामले में हुई छापेमारी

मंगलवार देर रात ईडी ने चेन्नई में डीएमके सरकार के बिजली मंत्री सेंथिल बालाजी के आवास पर छापेमारी की। छापेमारी के बाद सेंथिल को हिरासत में ले लिया गया। यह छापेमारी मनी लॉन्ड्रिंग मामले के तहत की गई। उच्चतम न्यायालय ने बालाजी के खिलाफ कथित नौकरी के बदले नकदी घोटाले में जांच की अनुमति दी थी, जिसके बाद यह कार्रवाई की गई। ईडी ने मंगलवार को बालाजी के चेन्नई, करूर और इरोड स्थित ठिकानों पर छापेमारी की गई। अपने ठिकानों पर ईडी की छापेमारी के बाद सेंथिल बालाजी की तबीयत बिगड़ गई और वह रोते देखे गए। इसके बाद सेंथिल को अस्पताल ले जाया गया।

मंत्री रोने का ड्रामा कर रहे : डी जयकुमार

एआईएडीएमके के वरिष्ठ नेता डी जयकुमार ने बालाजी के रोने के वीडियो पर कहा कि तमिलनाडु के मंत्री सेंथिल बालाजी ड्रामा कर रहे हैं। डीएमके इस मुद्दे से ध्यान हटाने की कोशिश कर रही है। मुख्यमंत्री स्टालिन को आरोपी मंत्री को कैबिनेट से हटाना चाहिए। अगर सीएम ऐसा नहीं करते हैं तो राज्यपाल को इस मामले में दखल देना चाहिए। डी जयकुमार ने कहा कि ईडी कानून के दायरे में रहकर काम कर रही है। कल तक बालाजी ठीक थे लेकिन जब ईडी ने उन्हें हिरासत में लिया तो उनकी तबीयत बिगड़ गई। ईडी को एम्स के डॉक्टर से उनकी जांच करानी चाहिए और कानूनी कार्रवाई करनी चाहिए।

सेंथिल को बेवजह परेशान किया जा रहा : तमिलनाडु सरकार

तमिलनाडु सरकार ने सेंथिल की गिरफ्तारी पर कड़ा विरोध जताया है और आरोप लगाया है कि सेंथिल को बेवजह परेशान किया जा रहा है। सेंथिल से बीते 24 घंटे से लगातार पूछताछ की जा रही है, यह पूरी तरह से मानवाधिकार के खिलाफ है।

यह राजनीतिक उत्पीड़न है : खरगे

डीएमके नेता के खिलाफ ईडी की कार्रवाई की कांग्रेस ने आलोचना की है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बयान जारी करते हुए कहा कि यह और कुछ नहीं बल्कि राजनीतिक उत्पीड़न है, जो मोदी सरकार द्वारा विरोधियों के खिलाफ किया जाता है। विपक्ष में कोई भी इस तरह की कार्रवाई से डरने वाला नहीं है। टीएमसी ने भी इसकी आलोचना की है। टीएमसी सांसद सौगत रॉय ने कहा कि यह पूरी तरह से ईडी के दुरुपयोग का मामला है।

गुजरात में आ सकती है 'तबाही'

» तटीय इलाकों के लिए मुसीबत बना बिपरजॉय, सेना तैनात, बाढ़ का भी अलर्ट

» समुद्र में उठ रहीं ऊंची लहरें

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। चक्रवातीय तूफान बिपरजॉय अभी से अपना असर दिखा रहा है। मुंबई से लेकर केरल के तट तक समंदर में तूफानी लहरें उठ रही हैं। गुजरात के सियालबेट के ग्रामीणों तक जरूरी सामानों को नावों से पहुंचाया जा रहा है। इसकी एक वीडियो भी सामने आई है। विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि बेहद खतरनाक चक्रवात बिपरजॉय अपनी गति को फिर पकड़ सकता है।

इसके कारण गुजरात में तबाही आ सकती है। गौरतलब है, चक्रवात ने हाल ही में भीषण रूप ले लिया था, लेकिन बाद में ये अपने बेहद खतरनाक चक्रवात के रूप में लौट आया था। हालांकि, मौसम विभाग का कहना है कि ये फिर से अपनी गति को पकड़ सकता है। तूफानी चक्रवात बिपरजॉय के कारण गुजरात के द्वारिका के पास समुद्र में ऊंची लहरें देखने को मिली हैं। मौसम विभाग के अनुसार, गुजरात के कई जिलों में बाढ़ आने की संभावना है। गुजरात के द्वारका के गोमती घाट पर चक्रवात बिपरजॉय का प्रभाव देखने को मिल रहा है। ज्वार की लहरें समुद्र में ऊंची उठ रही हैं।

फाइल फोटो

घर के अंदर ही रहें घबराएं नहीं

गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री और गृह मंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन में राज्य सरकार ने इस प्राकृतिक आपदा (बिपरजॉय) से निपटने के लिए पर्याप्त उपाय किए हैं। आपदा प्रबंधन के सभी इंतजाम पूरे कर लिए गए हैं। बचाव, राहत और पुनर्वास व्यवस्था सुनिश्चित की है। उन्होंने सभी से अपील की कि समय-समय पर राज्य सरकार और जिला प्रशासन द्वारा दिए गए दिशा-निर्देशों का पालन करें और घर के अंदर रहें। यदि आवश्यक हो अगर किसी को स्थानांतरित करना है, तो प्रशासन के साथ सहयोग करें। सैंड आर्टिस्ट सुदर्शन पटनायक ने ओडिशा के पुरी समुद्र तट पर एक सैंड आर्ट बनाकर चक्रवात बिपरजॉय को लेकर घबराएं नहीं,सुरक्षित रहें का संदेश दिया।

मुंबई में भी असर

तूफान का असर मुंबई में पहले ही दिखने लगा है। यहां सप्ताहांत में तेज हवाएं चलीं। मुंबई में तेज हवाओं ने धूल कणों के कारण हवा की गुणवत्ता और दृश्यता को भी प्रभावित किया। यहां ज्वार की ऊंची-ऊंची लहरें देखी जा रही हैं। इस बीच, खराब मौसम के कारण कई उड़ानें विलंबित या रद्द हो गई हैं। रत्नागिरी, रायगढ़, ठाणे, पालघर और कोल्हापुर जिलों में अगले तीन-चार दिन के दौरान अलग-अलग स्थानों पर गरज के साथ बिजली कड़कने और हल्की से मध्यम बारिश हो रही है।

15 जून तक स्कूल बंद

चक्रवात के खतरे को देखते हुए देवभूमि द्वारका जिले में 15 जून तक स्कूल बंद रहेंगे। देवभूमि द्वारका के कच्छ और शिवराजपुर के मांडवी बीच को लोगों के लिए बंद कर दिया गया है। साथ ही ओखा बेयत द्वारका की नाव यात्रा पर भी रोक लगा दी गई है। वहीं, मछुआरों को 15 जून तक तट पर जाने को लेकर सतर्क कर दिया है।

4 हजार परिवार स्थानांतरित

गुजरात के गृह मंत्री हर्ष सांघवी ने बताया कि बिपरजॉय के मद्देनजर द्वारका जिला प्रशासन ने समंदर के तट पर बसे 38 और आस-पास के 44 गांव के निचले इलाकों पर रहने वाले 4 हजार परिवारों को स्थानांतरित किया है। 138 महिलाओं की 20 तारीख से पहले डिलीवरी होनी है उन्हें उनके परिजन के साथ अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

67 ट्रेनें रद्द

एहतियात के तौर पर पश्चिम रेलवे ने 67 ट्रेनों को रद्द कर दिया है और 43 अन्य को आंशिक रूप से रद्द किया गया है। बारिश और तेज हवाएं चलने की आशंका है। इस बीच, केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडविया स्थिति की निगरानी के लिए कच्छ के जिला मुख्यालय भुज का दौरा करेंगे।

संविधान के विरुद्ध काम कर रहीं भाजपा-कांग्रेस : मायावती

» साधा निशाना, बोलीं- दोनों में लगी है पूजा पाठ में माहिर दिखाने की होड़

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बसपा सुप्रीमो मायावती ने भाजपा और कांग्रेस पर संविधान की मंशा के विरुद्ध काम करने का आरोप लगाया। यूपी की पूर्व सीएम ने दोनों पार्टियों पर जमकर हमला बोला। लखनऊ स्थित अपने आवास पर एक बयान जारी करके उसमें कहा कि आजकल कांग्रेस और भाजपा में यह होड़ लगी हुई है कि कौन बड़ा हिंदुत्ववादी है। कौन बड़ा हिंदू भक्त है।

इसी के चक्कर में पूजा पाठ में दोनों अपने आपको माहिर दिखा रहे हैं। इसका साफ मतलब यह है कि इससे बाकी अन्य धर्म की उपेक्षा की जा रही है। उन्होंने कहा कि हमारे देश में हिंदुओं के अलावा मुस्लिम, सिख, ईसाई, पारसी आदि धर्म के लोग भी रहते हैं और सभी दलों को इनका भी बराबर सम्मान और ध्यान रखना चाहिए। साथ ही सभी ऐतिहासिक स्थलों को भी सुरक्षित रखना चाहिए क्योंकि आजकल ऐतिहासिक स्थलों के साथ भी छेड़छाड़ की जा रही है। मायावती ने कहा कि राजस्थान, छत्तीसगढ़, तेलंगाना और मध्य प्रदेश में दलित और आदिवासियों का उत्पीड़न हो रहा है। जल्द हो रहे विधानसभा चुनाव में इन चारों राज्यों में बसपा यह मुद्दा उठाएगी। इसके प्रति जनता को जागरूक करेगी। वहां के लिए पार्टी ने राष्ट्रीय कोऑर्डिनेटर आकाश आनंद और मुख्य कोऑर्डिनेटर राम जी गौतम को लगाया है।

आने वाले राज्य विस चुनाव में सभी सीटों पर लड़ेगी बसपा

बहुजन समाज पार्टी राजस्थान, छत्तीसगढ़, तेलंगाना व मध्यप्रदेश के चुनावी मैदान में उतरेगी। इन राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी की तरफ से अभियान की शुरूआत इसी माह से की जाएगी। बसपा प्रमुख मायावती के भतीजे और पार्टी के राष्ट्रीय समन्वयक आकाश आनंद व केन्द्रीय समन्वयक तथा राज्यसभा सदस्य रामजी गौतम को चारों राज्यों में चुनावी अभियान की जिम्मेवारी सौंपी गई है। मायावती ने कहा कि उत्तराखंड में वर्षों से लोगों की आस्था का केंद्र रहे धार्मिक स्थलों खासकर मजारों को अतिक्रमण के नाम पर हटाया जा जा रहा है। उन्होंने लव जेहाद व मतांतरण की आड़ में फैलाए जा रहे धार्मिक उन्माद की निंदा करते हुए सरकार को सलाह दी है कि उत्तर प्रदेश में अपराधियों की आपसी लड़ाई को समाप्त करवाया जाए। इससे जनता के बीच दहशत फैल रही है।

दरभंगा एम्स को अटकाने का काम कर रहे नितीश : गोपाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

दरभंगा। बिहार में दरभंगा एम्स को लेकर भाजपा व जदयू में जुबानी जंग चालू हो गई है। भाजपा सांसद गोपाल जी ठाकुर ने महागठबंधन सरकार खासकर सीएम नीतीश कुमार पर जमकर निशाना साधा है। भाजपा ने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार ने कैबिनेट करके 15 सितंबर 2020 को 1264 करोड़ की राशि से 750 बेड के दरभंगा एम्स को स्वीकृति प्रदान की।

इतना ही नहीं कैबिनेट निर्णय की तिथि से अगले 48 महीने के भीतर एम्स निर्माण का लक्ष्य निर्धारित किया गया तथा यहां तक कि दरभंगा एम्स निर्माण कार्य को त्वरित रूप से निष्पादन हेतु कार्यकारी निर्देशक की भी नियुक्ति कर दी लेकिन बिहार सरकार दरभंगा एम्स को लगातार अटकाने भटकाने और लटकाने का कार्य कर रही है। बिहार सरकार के मुखिया नीतीश कुमार से पूछना चाहता हूं कि आपने दरभंगा एम्स को लेकर लगातार दुलमुल नीति का सहारा क्यों लिया? किस कारण से, किस मजबूरी में और किसके इशारे पर नीतीश कुमार जी आपने अपनी कैबिनेट के फैसले को पलटा? किसके इशारे पर डीएमसीएच परिसर स्थित भूमि जो दरभंगा एम्स को हस्तांतरित की गई थी वहां मिट्टी भराई का कार्य पूर्ण होने के कगार पर था तब अचानक मुख्यमंत्री जी आपका हृदय परिवर्तन क्यों हुआ?

बिहार में विकास का काम नहीं करना चाहता है केंद्र : जदयू

भारत सरकार के पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री सह जदयू के वरिष्ठ नेता मो. अली असरफ फातमी ने बीजेपी के बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि मिथिलांचल व दरभंगा वासियों के लिए बेहद दुखद घटना है कि दिल्ली की सरकार बिहार के अंदर विकास का काम करना नहीं चाहती है। काफी दिनों से दरभंगावासी एम्स के लिए तरस रहे थे। पिछले दिनों नीतीश कुमार के मेहनत से दरभंगा के लिए जगह भी सेलेक्ट हुआ। पहले डीएमसीएच के अंदर, फिर हायाघाट के प्रखंड के अशोक पेपर मील के प्रांगण में, फिर बाद में शोभन में भूमि चिन्हित कर एम्स निर्माण के लिए जमीन दिया गया। लंबे अरसे के बाद मंत्रालय ने बिहार सरकार को पत्र दिया है कि यह जमीन एम्स के भवन के लिए उपयुक्त नहीं है। मैं यह जानना चाहता हूं कि भारत सरकार बिहार को एम्स देना भी चाहती है कि नहीं। अब तो केंद्र सरकार की नियति पर शक हो रहा है।

मदरसों में योग दिवस की जगह तालीम दिवस मने: शफीकुर्रहमान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

संभल। उत्तर प्रदेश में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के आयोजन पर भी राजनीति गरमा गई है। 21 जून को पूरी दुनिया में इंटरनेशनल योगा डे मनाने की तैयारी चल रही है। उत्तर प्रदेश में मुख्य विपक्षी दल समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता और संभल से सांसद डॉ. शफीकुर्रहमान बर्क की तीखी प्रतिक्रिया योग दिवस के आयोजन पर आई है।

उन्होंने कहा है कि मदरसा और दरगाहों में योग दिवस का आयोजन नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि योगी सरकार की यह कार्रवाई बिल्कुल उचित नहीं है। अब इस मामले को लेकर सवाल सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव से भी होने लगे हैं। समाजवादी पार्टी के सांसद की ओर से आए ताजा बयान में कहा गया है कि दरगाह और मदरसों योग दिवस पर कार्यक्रम के आयोजन की क्या आवश्यकता है? मदरसों में योग दिवस की जगह तालीम दिवस मनाया जाना चाहिए। बच्चों को बताएं कि तुम कम पढ़ रहे हो। तुम कम पढ़ रहे हो।

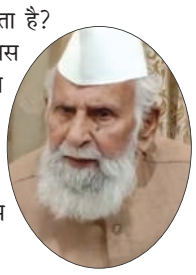

सरकार चाहती है कि मदरसों में परेशानी खड़ी हो

बर्क ने कहा कि तालीम दिवस छात्र-छात्राओं के ज्ञान में इजाफा होगा। सरकार चाहती है कि मदरसों में परेशानी खड़ी हो। इनकी मंशा मदरसों के न चलाने की है। वे चाहते हैं कि मुसलमान बच्चे मजहबी शिक्षा हासिल नहीं करें।

झारखंड में बांग्लादेशी घुसपैठियों का कब्जा

» मरांडी बोले- बीजेपी की सरकार बनते ही लागू करेंगे एनआरसी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रांची। झारखंड में बांग्लादेशी घुसपैठियों को लेकर एक बार फिर सियासत गरमा गई है। पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने घुसपैठ के कारण पाकुड़ और साहिबगंज में बदलती डेमोग्राफी पर गहरी चिंता जताते हुए एनआरसी लाने की बात कही है। उन्होंने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल से इसकी जानकारी दी है।

बाबूलाल मरांडी ने कहा, पाकुड़ और साहिबगंज में बहुत गंभीर हालात है.,स्थिति चिंताजनक है, डेमोग्राफी बदलाव से आदिवासियों का अस्तित्व खतरे में है, बांग्लादेशी घुसपैठियों ने संताल परगना के पूरे इलाके को अपने जद में ले लिया है, झारखंड में भाजपा सरकार बनते ही इनके विरुद्ध निर्णायक लड़ाई लड़ी जाएगी और एनआरसी लाकर इन्हें चुन चुनकर राज्य की सीमा से बाहर किया जाएगा।

राजनीतिक हितों के लिए कुछ लोग दे रहे संरक्षण

बांग्लादेशी घुसपैठियों के मुद्दे ने अब राष्ट्रीय मीडिया का ध्यान आकर्षित किया है, मैं लंबे समय से कह रहा हूं कि यह बहुत गंभीर समस्या है, हमें इस समस्या से जल्द से जल्द पूरी तरह से छुटकारा पाने की जरूरत है, लेकिन दुर्भाग्य से कुछ लोग अपने राजनीतिक हितों के लिए इन घुसपैठियों को संरक्षण दे रहे हैं. जैसे ही बीजेपी सत्ता में आए तो एनआरसी जरूर लाएंगे! हेमंत सोरेन सरकार पर सीधा हमला बोलते हुए कहा, हमें जानकारी मिली है, कांग्रेस और जेएमएम के संरक्षण में अपने वोट बैंक को बढ़ाने के लिए, खासकर बांग्लादेशी घुसपैठियों को सरकारी जमीन बंदोबस्त करके पट्टा देना, फिर राशन कार्ड बनवा देते हैं।

ईडी-सीबीआई के सामने नहीं पेश होंगे अभिषेक

कोलकाता। टीएमसी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ईडी के सामने नहीं पेश होंगे। बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी को ईडी ने शिक्षक भर्ती घोटाले में पूछताछ के लिए मंगलवार को तलब किया था। तृणमूल सांसद अभिषेक बनर्जी की ओर से कहा गया कि वह जन संजोग यात्रा में व्यस्त हैं, जिसके चलते उपलब्ध नहीं होंगे। माना जा रहा है कि अभिषेक बनर्जी की गैरहाजिरी को लेकर ईडी उन्हें दोबारा से नोटिस भेज सकती है। शिक्षक भर्ती घोटाले को लेकर लगाए गए आरोपों पर पहले ही अभिषेक समेत ममता बनर्जी बीजेपी पर जुबानी हमला बोल चुके हैं।

मुख में राम बगल में छुरी : वसुंधरा

» पूर्व सीएम का पायलट-गहलोत पर हमला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। राजस्थान की पूर्व सीएम वसुंधरा राजे ने पायलट और गहलोत दोनों को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि सिंहासन के लिए संघर्ष चल रहा है। एक-दूसरे पर तीर चलाये जा रहे हैं। लोगों के मुख में राम बगल में छुरी है। वसुंधरा राजे ने वर्तमान सियासत में चल रहे सिंहासन के संघर्ष को लेकर कहा कि एक समय था जब पिता के आदेश पर भगवान राम सिंहासन छोड़ कर 14 वर्ष तक वनवास गए।

भरत को सिंहासन पर बैठाने की भी तैयारी हुई, लेकिन उन्होंने त्याग की मिसाल पेश की। बड़े भाई राम की चरण पादुकाओं को सिंहासन पर रख कर ही शासन चलाया, लेकिन खुद सिंहासन से दूर रहे। पूर्व सीएम ने कहा कि उस समय दोनों भाइयों का त्याग देखिए और आज दोनो में सिंहासन के लिए किस तरह संघर्ष हो रहा है, यह देखिए। किस तरह एक-दूसरे के ऊपर तीर चलाये जा रहे हैं।

हमेशा प्रदेश की जनता के साथ था और रहूंगा

पायलट ने कहा कि जब उनके पिता का निधन हो गया था। उसके बाद मुझे लगा था कि मैं अकेला हो जाऊंगा। लेकिन राजस्थान की जनता ने साथ दिया और एक अच्छे मुकाम तक पहुंचा कर पहचान बनाई। पायलट बोले, मैं हमेशा प्रदेश की जनता के साथ था और रहूंगा।

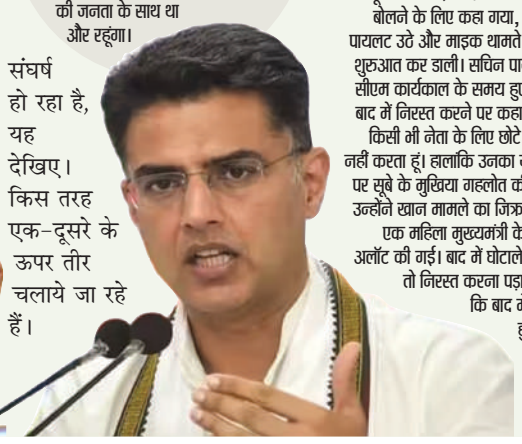

हर गलती कीमत मांगती है : पायलट

सचिन पायलट ने कहा, हर गलती कीमत मांगती है। यह बोलकर पायलट ने न केवल सीएम अशोक गहलोत, बल्कि पूर्व सीएम वसुंधरा राजे को भी टारगेट किया। दौसा में राजेश पायलट की प्रतिमा अनावरण के बाद सचिन पायलट के साथ मौजूद मंत्री राजेंद्र सिंह को मंच पर आकर जैसे ही बोलने के लिए कहा गया, वैसे ही तुरंत सचिन पायलट उठे और माइक थामते हुए खुद भाषण की शुरुआत कर डाली। सचिन पायलट ने वसुंधरा के सीएम कार्यकाल के समय हुए खान आवंटन को बाद में निरस्त करने पर कहा कि मैं राजनीति में किसी भी नेता के लिए छोटे शब्दों का इस्तेमाल नहीं करता हूं। हालांकि उनका यह इशारा सीधे तौर पर सूबे के मुखिया गहलोत की तरफ था, लेकिन उन्होंने खान मामले का जिक्र करते हुए कहा कि एक महिला मुख्यमंत्री के समय पहले खान अलॉट की गई। बाद में घोटाले उजागर होने लगे, तो निरस्त करना पड़ा। वह बात अलग है कि बाद में खान अलॉट नहीं हुई, लेकिन मामला तो उजागर हो गया था। इसलिए आदेश जारी कर निरस्त करना पड़ा।

एआई से होगा मानवता का विकास

रक्षा, शिक्षा और चिकित्सा में प्रयोग से आएगा बदलाव

» बौद्धिक कृत्रिमता का चलन बढ़ा

» फोटों से लेकर प्रिंट तक पर असर

4पीएम न्यूज नेटवर्क/सिद्धार्थ शर्मा

नई दिल्ली। धीरे-धीरे आर्टीफिशियल इंटेलिजेस का प्रयोग बढ़ता जा रहर है। सार्वजनिक से लेकर निजी क्षेत्र में इसकी मांग बढ़ रही है। जानकारों की माने तो आने वाले समय में इसके उपयोग से मानव के जीवन में अभूतपूर्व परिवर्तन की संभावना है। चिकित्सा, निमार्ण, रक्षा, शिक्षा, विज्ञान यहां तक की अंतरिक्ष तक में इसके ज्यादा से प्रयोग में आने की संभावना है। लेकिन इसका एक पहलू और है वह है इसका दुरुपयोग। ऐसा भी अंदेशा है कि कहीं इसके प्रयोग से मानवता को नुकसान न पहुंच जाए। हालांकि इस ओर भी ध्यान दिया जा रहा इसकी निगरानी केलिए हर स्तर से तंत्र बनाने की योजनाएं बनाई जा रहीं हैं।

आजकल जितने भी इमेज-एडिटिंग एप्स हैं, उनका दादा-परदादा फोटोशॉप ही है। वह हमारे फेसट्यून्ड मीडिया इको-सिस्टम का पूर्वज है। वह हमारी संस्कृति में कुछ इस तरह से पैठ गया है कि अब फोटोशॉप शब्द एक साथ क्रिया भी है और विशेषण भी। यह सबसे ज्यादा इस्तेमाल की जाने वाली डिजिटल युक्ति भी है। 30 से भी ज्यादा साल पहले इसका पहला संस्करण जारी किया गया था और आप आज जिन भी तस्वीरों को ऑनलाइन, प्रिंटेड, बिलबोर्ड्स या बस स्टॉप पर, पोस्टरों, प्रोडक्टस की पैकेजिंग आदि में देखते हैं, उन पर पेशेवर फोटोग्राफरों, ग्राफिक डिजाइनरों और अन्य विजुअल आर्टिस्टों के द्वारा काम किया गया होता है। ऐसे में अब जब फोटोशॉप जनरेटिव आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस के क्षेत्र में प्रवेश कर रही है तो उसके क्या मायने हैं? क्योंकि हाल ही में रिलीज किया गया एक बीटा-फीचर आपको यह सुविधा देता है कि आप चाहे जिस इमेजरी पर फोटोरियलिस्टिक तरीके से काम करके उसे तुरंत ही बदल दें। लेकिन जाहिर है, सेवा-शर्तों के अधीन रहते हुए। वास्तव में खबर यह है कि फोटोशॉप बनाने वाली कम्पनी एडोबी ने इसके खतरों को भांप लिया है और वह डिजिटिली मैनिपुलेटेड तस्वीरों की चुनौती को सामना करने की योजना बना रही है। उसने एक ऐसी युक्ति बनाई है, जिसकी मदद से आप जान सकते हैं कि किसी इमेज फाइल में एआई की मदद से बदलाव किया गया है या नहीं। इस प्लान को कंटेंट ऑथेंटिसिटी इनिशिएटिव का नाम दिया गया है और इसका घोषित मकसद डिजिटल मीडिया की विश्वसनीयता को बढ़ावा देना है। एआई की मदद से क्रिएटर या पब्लिशर हर फेक-तस्वीर को पकड़ने के बजाय यह साबित कर सकेंगे कि उनके सामने प्रस्तुत कोई इमेज फर्जी है या वास्तविक है। आने वाले समय में आपको ट्विटर पर किसी कार दुर्घटना या आतंकी हमले या प्राकृतिक आपदा की कोई तस्वीरें दिखलाई दें और उनमें यह कंटेंट क्रेडेंशियल न सम्मिलित हो जो बताता हो कि यह तस्वीर कैसे क्रिएट और एडिट की गई थी, तो आप उन्हें फेक घोषित कर सकते हैं!

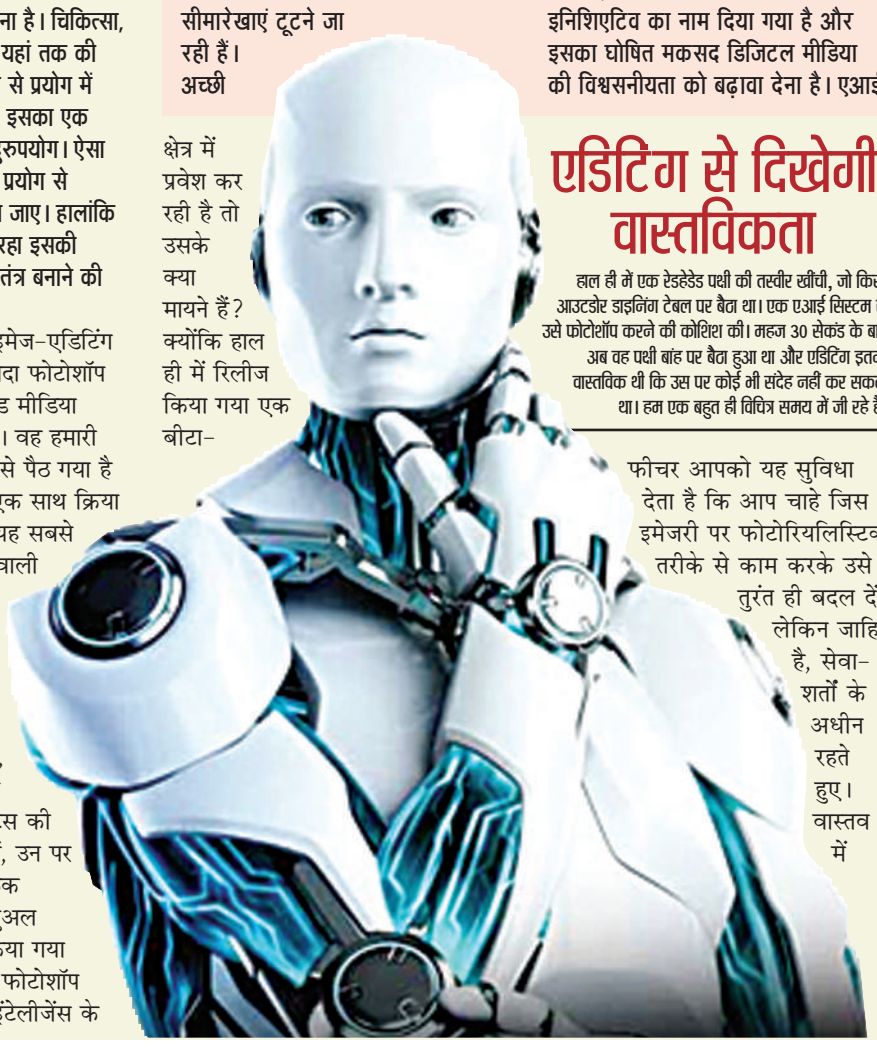

कल्पनाशीलता बढ़ेगी

इस सॉफ्टवेयर के चलते हर वह व्यक्ति जिसके पास एक माउस है, कल्पनाशीलता है और हर महीने 10 से 20 डॉलर खर्च करने की क्षमता है, वह तस्वीरों में बड़ी बारीकी से हेरफेर कर सकता है और इसके लिए उसका विशेषज्ञ होना भी जरूरी नहीं। ये एआई जनरेटेड छवियां इतनी वास्तविक मालूम होती हैं कि अब असली और नकली के बीच की सीमारेखाएं टूटने जा रही हैं। अच्छी

एडिटिंग से दिखेगी वास्तविकता

हाल ही में एक रेडडेडेड पक्षी की तस्वीर खींची, जो किसी आउटडोर डाइनिंग टेबल पर बैठा था। एक एआई सिस्टम से उसे फोटोशॉप करने की कोशिश की। महज 30 सेकंड के बाद अब वह पक्षी बांह पर बैठा हुआ था और एडिटिंग इतनी वास्तविक थी कि उस पर कोई भी संदेह नहीं कर सकता था। हम एक बहुत ही विचित्र समय में जी रहे हैं!

नौकरियां नहीं होंगी प्रभावित

फिलहाल आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से नौकरियों को कोई खतरा नहीं है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस अपने वर्तमान रूप में एक तकनीक के रूप में काफी हद तक कार्योन्मुख है लेकिन ऐसी स्थिति से निपटने में सक्षम नहीं है जहां लोजिक और रीजनिंग की आवश्यकता हो। एआई विघटनकारी है, अगले कुछ वर्षों में नौकरियों पर इसका कोई खतरा नहीं दिखता। डॉकिंग (सहमति के बिना इंटरनेट पर व्यक्तियों की निजी जानकारी पोस्ट करना) जैसे अपराध बढ़ रहे हैं। भारत में कानून और व्यवस्था राज्य का विषय है और केंद्र को राज्य सरकारों के साथ इस पर सख्ती से काम करना होगा । देश में डिजिटल कनेक्टिविटी को बढ़ावा मिला है और साइबर स्पेस में सुरक्षा सुनिश्चित करना सरकार का विजन और मिशन है।

पिछले एक साल में इतने एआई इमेज जनरेटर्स रिलीज किए गए हैं कि किसी कम्प्यूटर की मदद से तस्वीरें एडिट करने का विचार पहले ही बाबा आदम के जमाने का लगने लगा है। फोटोशॉप की नई क्षमताओं में नई बात यह है कि वे वास्तविक और डिजिटल छवियों को बड़ी आसानी से आपस में मिला देती हैं और उन्हें एक बड़े यूजर-बेस के सामने प्रस्तुत कर देती हैं।

असली-नकली की पकड़ होगी

सरकारों, समाचार एजेंसियों और सामान्य पाठकों के लिए यह बहुत महत्वपूर्ण साबित होने जा रहा है कि वे असली और नकली में फर्क कर सकें। तब अगर आपको कोई ऐसी सूचना मिलती है, जिसके साथ कोई कंटेंट क्रेडेंशियल नहीं है तो आपको उसकी सत्यता पर संदेह करने का पूरा अधिकार होगा। लेकिन सवाल है ऐसा कब होगा? क्योंकि एडोबी अभी योजना ही बना रही है, जिसे धरातल पर आने में समय लगेगा, जबकि फोटोशॉप में एआई फीचर्स पहले ही बिना किसी सुरक्षा-तंत्र के लोगों तक बड़ी संख्या में जारी किए जाने लगे हैं। एआई कंटेंट जनरेशन भले ही अभी प्राथमिक अवस्था में हो, पर फोटोशॉप के नए फीचर्स के बाद व्यापक रूप से सर्वमान्य मानदंडों को निर्धारित करने की जरूरत निर्मित हो चुकी है। हम पहले ही कंटेंट के सैलाब में डूबे हुए हैं और अब रियलिस्टिक दिखने वाले आर्टिफिशियल फीचर्स से हालात और बदतर होने जा रहे हैं। टेक-कम्पनियों को एडोबी के सिस्टम या किसी अन्य सेफ्टी-नेट को अपनाने के लिए हरकत में आना होगा, क्योंकि एआई इमेजरी दिन-ब-दिन परिष्कृत होती जा रही है। हमारे पास गंवाने के लिए समय नहीं है।

भारत में निगरानी की तैयारी

आने वाले समय एआई की मांग बढ़ेगी। जाहिर सी बात है कि जब उपयोगिता बढ़ेगी तो उसके लाभ और हानि भी दिखाई देगा। इसका प्रभाव उपभोक्ताओं पर गलत न हो इसके लिए सरकार कुछ नियम बनाने पर विचार कर रही है। इस बाबत इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने कहा कि डिजिटल नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को रेगुलेट किया जाएगा। डिजिटल इंडिया बिल पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि एआई से डिजिटल नागरिकों को नुकसान नहीं पहुंचाता है को सुनिश्चित करने के लिए एआई को रेगुलेट किया जाएगा। विशेषज्ञों ने कहा कि एआई से नौकरियों को कोई खतरा नहीं है। इंटरनेट पर विषाक्तता और आपराधिकता में काफी वृद्धि हुई है। डिजिटल नागरिकों को नुकसान पहुंचाने के प्रयासों को सफल नहीं होने देंगे। 85 करोड़ भारतीय इंटरनेट का उपयोग करते हैं, जिसके 2025 तक 120 करोड़ तक पहुंचने की उम्मीद है। नया पर्सनल डाटा प्रोटेक्शन बिल भी जल्द ही संसद में पेश किया जाएगा। मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र में हम विश्व स्तरीय कारखानों, भारी निवेश और बड़ी संख्या में नौकरियों के सृजन को देख रहे हैं। एआई का प्रयोग अच्छे कार्यों में हो तो ठीक है पर उसका प्रयोग अगर विध्वंसककामों में होगा तो वह मानवता के लिए भी हानिकारक है। अभी दुनिया में ऐसी घटनाएं भी देखने को मिली है कि इसका प्रयोग गल प्रयोजनों में किया गया जैसे अभी हाल में अमेरिका के पेंटागन के पास आग लगने की खबरों को चैनलों में दिखाया गया था जबकि वो पूरी तरह से गलत वीडियो था। अब भारत में ऐसा न हो इसके लिए एक निगरानी तंत्र बनाना जरूरी है।

सर्विलांस सिस्टम से बढ़ेगी सुरक्षा

» सुरक्षा के लिए उपयोगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। समय के साथ-साथ तकनीकि और सिक्योरिटी में काफी ज्यादा बदलाव आए हुए हैं आजकल आप जहां भी जाते होंगे वहाँ पर आपको आसानी से हर जगह पर सीसीटीवी कैमरा लगे हुए आसानी से नजर आ जाते हैं। सिक्योरिटी सर्विलांस सिस्टम एक ऐसा सिस्टम होता है सिक्योरिटी सर्विलांस सिस्टम सिक्योरिटी इंडस्ट्री की एक हाईटेक टेक्नोलॉजी है यह सिस्टम सामान्यत: सिक्योरिटी एजेंट्स द्वारा लगाया जाता है जो उस संगठन के नेटवर्क और सिस्टमों की अवैध गतिविधियों को खोजने और रोकने के लिए निरंतर निगरानी रखते हैं।

सिक्योरिटी सर्विलांस सिस्टम जहाँ भी इंस्टॉल होता है वहां की हर एक गतिविधि पर नजर रखते हैं नजर रखने के साथ-साथ में यह अगर कोई अवैध घटना होती है तो ये तुरंत अलर्ट जनरेट कर देते हैं जिससे की मॉनिटरिंग कर रहे व्यक्ति को तुरंत इसकी जानकारी मिल जाती है साथ ही साथ लगे हुए कंपोनेंट्स जैसे कि हूटर बजने लगता है। स्पीकर भी लगा होता है स्पीकर में टू वे कम्युनिकेशन करके मॉनिटरिंग कर रहा व्यक्ति अवैधानिक व्यक्ति को वार्निंग भी दे सकता है सिक्योरिटी सर्विलांस सिस्टम टेक्नोलॉजी का ज्यादातर उपयोग बैंक, एटीएम, ज्वेलरी शॉप, एयरपोर्ट, हॉस्पिटल, और बहुत सी ऐसी जगह होती हैं जहां पर इस टेक्नोलॉजी का यूज किया जाता है।

सिक्योरिटी सर्विलांस सिस्टम एक आधुनिक सिस्टम है जो सुरक्षा के लिए उपयोग की जाती है। यह उन तकनीकों में से एक है जो एक संगठन या स्थान की सुरक्षा के लिए उपयोग की जाती है। यह सिस्टम विभिन्न विधियों का उपयोग करता है जैसे कि सुरक्षा कैमरे, तार, रडार, सेंसर, और अन्य तकनीकों का उपयोग करते हुए सुरक्षा को सुनिश्चित करता है। सिक्योरिटी सर्विलांस सिस्टम का मुख्य उद्देश्य एक संगठन या स्थान के भीतर होने वाली घटनाओं की निगरानी करना होता है। यह सिस्टम विभिन्न संवेदनशील क्षेत्रों को निगरानी करता है जैसे:- संचार, इलेक्ट्रॉनिक निगरानी और फिजिकल सुरक्षा। सिक्योरिटी सर्विलांस सिस्टम के उपयोग से, सुरक्षा के लिए विभिन्न सुविधाएं उपलब्ध होती हैं, जैसे कि सुरक्षा कैमरे की फोटो और वीडियो रिकॉर्डिंग, तार और सेंसर के द्वारा संकेतों की जाँच और सुरक्षा विषयक सूचनाओ। सिक्योरिटी सर्विलांस सिस्टम एक तकनीकी व्यवस्था है जो निजी और सार्वजनिक संस्थाओं द्वारा उनकी संपत्ति, कार्यक्रमों और सुरक्षा के लिए उपयोग की जाती है। इस प्रणाली के द्वारा संस्थाएं विभिन्न सुरक्षा प्रणालियों का उपयोग करके अपनी संपत्ति और अन्य संपदाएं सुरक्षित रखती हैं। सिक्योरिटी सर्विलांस सिस्टम को अंग्रेजी में सिक्योरिटी सर्विलांस सिसटम भी कहा जाता है।

सेंसर से भी सुरक्षा

शटर सेंसर एक इलेक्ट्रॉनिक सेंसर है इसमें एक पार्ट मेल होता है तथा दूसरा पार्ट फीमेल होता है जो एनओ और एनसी पर वर्क करता है यह मेन गेट, खिड़की, दरवाजे, विंडो पर लगाया जाता है। इसका मेल पार्ट दरवाजे पर लगाया जाता है और फीमेल पार्ट दरवाजे के दूसरी ओर लगाया जाता है। इसका काम यह होता है कि जब गेट, खिड़की, दरवाजे, विंडो खोले जाते है, तो इसके पर मेल और फीमेल अलग होकर अलर्ट जनरेट करते है शटर सेंसर ज्यादातर प्लास्टिक के और लोहे के बनाए जाते है यह सेंसर हाई सिक्योरिटी में यूज किए जाते है इन सेंसर में एक मेल पार्ट होता है जिसमें कुछ दूरी तक स्प्रिंग जैसा वायर उपयोग किया जाता है यह सेंसर मैग्नेटिक कांटेक्ट सेंसर से बड़े होते है। मैग्नेटिक कॉन्टैक्ट सेंसर एक इलेक्ट्रॉनिक सेंसर होता है यह सेंसर ज्यादातर प्लास्टिक के बनाए जाते है जो मैग्नेटिक फील्ड को नापता है इसमें भी शटर सेंसर की तरह एक मेल पार्ट तथा दूसरा फीमेल पार्ट होता है यह भी हश और हह पर काम करता है यह सेंसर शटर सेंसर के मुकाबले छोटा होता है। मैग्नेटिक कॉन्टैक्ट सेंसर कई प्रकार के उद्देश्यों के लिए उपयोग किया जाता है जैसे दरवाज़ों और खिड़कियों के लिए सुरक्षा सेंसर, यातायात वाहनों के लिए ताला और ब्रेकिंग सिस्टम, इलेक्ट्रॉनिक गेम, आदि। इन दोनों सेंसर का काम करने का तरीका अलग अलग होता है हालांकि यह दोनों सेंसर सिक्योरिटी सर्विलेंस सिस्टम में भी यूज किए जाते है जहां पर इनका उपयोग एटीएम मशीन, बैंक के वोल्ट एरिया, तथा विंडो और दूर में भी इनका उपयोग होता है।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जल्दी-जल्दी भूकंप आना खतरे की निशानी

भू वैज्ञानिकों के अनुसार पृथ्वी के अंदर 7 प्लेट्स हैं, जो लगातार घूमती रहती हैं। जहां ये प्लेट्स ज्यादा टकराती हैं, वह जोन फॉल्ट लाइन कहलाता है। बार-बार टकराने से प्लेट्स के कोने मुड़ते हैं। जब ज्यादा दबाव बनता है तो प्लेट्स टूटने लगती हैं। नीचे की ऊर्जा बाहर आने का रास्ता खोजती हैं और डिस्टर्बेंस के बाद भूकंप आता है।

पिछले 36 घंटे के अंदर जम्मू कश्मीर की तरह भारत और आसपास के देशों में सात बार भूकंप के झटके महसूस किए जा चुके हैं। सबसे बड़ी बात 2023 के पांच महीने के अंदर यह सातवीं बार भारत में भूकंप आए हैं। इस तरह से बार-बार भूकंप आना चिंता विषय है। भू वैज्ञानिकों के अनुसार पृथ्वी के अंदर 7 प्लेट्स हैं, जो लगातार घूमती रहती हैं। जहां ये प्लेट्स ज्यादा टकराती हैं, वह जोन फॉल्ट लाइन कहलाता है। बार-बार टकराने से प्लेट्स के कोने मुड़ते हैं। जब ज्यादा दबाव बनता है तो प्लेट्स टूटने लगती हैं। नीचे की ऊर्जा बाहर आने का रास्ता खोजती हैं और डिस्टर्बेंस के बाद भूकंप आता है। भूकंप का केंद्र उस स्थान को कहते हैं जिसके ठीक नीचे प्लेटों में हलचल से भूगर्भीय ऊर्जा निकलती है। इस स्थान पर भूकंप का कंपन ज्यादा होता है। कंपन की आवृत्ति ज्यों-ज्यों दूर होती जाती हैं, इसका प्रभाव कम होता जाता है। फिर भी यदि रिक्टर स्केल पर 7 या इससे अधिक की तीव्रता वाला भूकंप है तो आसपास के 40 किमी के दायरे में झटका तेज होता है।

लेकिन यह इस बात पर भी निर्भर करता है कि भूकंपीय आवृत्ति ऊपर की तरफ है या दायरे में। यदि कंपन की आवृत्ति ऊपर को है तो कम क्षेत्र प्रभावित होगा। भूकंप की जांच रिक्टर स्केल से होती है। इसे रिक्टर मैग्नीट्यूड टेस्ट स्केल कहा जाता है। रिक्टर स्केल पर भूकंप को 1 से 9 तक के आधार पर मापा जाता है। भूकंप को इसके केंद्र यानी एपीसेंटर से मापा जाता है। भूकंप के दौरान धरती के भीतर से जो ऊर्जा निकलती है, उसकी तीव्रता को इससे मापा जाता है। इसी तीव्रता से भूकंप के झटके की भयावहता का अंदाजा होता है। मंगलवार को दिल्ली-एनसीआर, जम्मू-कश्मीर, पंजाब और चंडीगढ़ में भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 5.4 मापी गई है। दस सेकंड तक झटके महसूस किए गए। इसका केंद्र जम्मू कश्मीर के डोडा में रहा। भूकंप के चलते लोग घरों से बाहर निकल आए। काफी देर तक लोग सहमे नजर आए। जम्मू-कश्मीर के डोडा में 5.4 रिक्टर स्केल का एक भूकंप आया। 5.4 की तीव्रता का भूकंप मध्यम से ताकतवर भूकंप की श्रेणी में आता है। कई क्षेत्रों में झटके महसूस किए गए हैं। 4 से 4.4 रिक्टर पैमाने तक के भूकंप की दोबारा संभावना बनी हुई है। भूकंप का असर दिल्ली-एनसीआर, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, हिमाचल प्रदेश तक देखने को मिला। कुछ सेकेंड के लिए धरती हिली। घबराए लोग अपने घरों और दफ्तरों से बाहर निकल आए।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

वक्त की नब्ज देख वफादारी-बगावती तेवर

शंभूनाथ शुक्ल

भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व अध्यक्ष और भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह अब दोतरफा खेल खेलने में लगे हैं। वे सत्तारूढ़ भाजपा को धमकी भी दे रहे हैं और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा गृह मंत्री अमित शाह की तारीफों के पुल भी बांध रहे हैं। उन्होंने रविवार को गोंडा में एक जनसभा कर अपनी ताकत दिखाते हुए कहा कि अगला लोकसभा का चुनाव वे लड़ेंगे। यद्यपि उनका इतिहास भी बताता है कि बृजभूषण शरण सिंह पाला बदलने में माहिर हैं और अपने क्षेत्र में बेहद लोकप्रिय भी हैं। भाजपा से पहली बार वे गोंडा से 1991 में लोकसभा चुनाव कांग्रेस के आनंद सिंह को हरा कर जीते थे। प्रदेश में कल्याण सिंह सरकार थी और अयोध्या में विवादित ढांचा जब गिराया गया तब बृजभूषण शरण सिंह कारसेवकों की अगुआई कर रहे थे। उन्होंने खुल्लमखुल्ला यह स्वीकार भी किया कि ढांचा गिराने में उनकी भूमिका रही।

वर्ष 2008 में पार्टी (भाजपा) व्हिप के बावजूद केंद्र की मनमोहन सरकार बचाने के लिए उन्होंने पाला बदल लिया, वे समाजवादी पार्टी में आ गए और 2009 का लोकसभा चुनाव समाजवादी पार्टी की टिकट पर जीते। कहा जाता है कि उन पर आरोप था, कि डॉन दाऊद खान से उनके करीबी संबंध थे और इसकी जांच चल रही थी इसलिए अपने बचाव के लिए उन्होंने मनमोहन सरकार का साथ दिया। उनकी पूरी छवि एक बाहुबली नेता की रही है। भाजपा विधायक घनश्याम शुक्ल हत्याकांड में उन पर सीधे-सीधे अंगुली उठी थी। किंतु वे साफ बच निकले। पर इसी वर्ष जनवरी से अंतर्राष्ट्रीय महिला पहलवानों ने जिस तरह से उनके खिलाफ मोर्चा खोल दिया, उससे वे अवश्य घबराये हुए हैं। उन पर महिला पहलवानों से यौन दुर्व्यवहार के भी आरोप हैं। हालांकि बृजभूषण शरण सिंह अपने क्षेत्र में पहलवान के रूप में भी जाने जाते हैं और छात्र जीवन में वे अपने कॉलेज साकेत महाविद्यालय के कुश्ती संघ के भी अध्यक्ष थे। जब भी कोई कुश्ती प्रतियोगिता होती है, बृजभूषण वहां पहुंचते जरूर हैं।

लेकिन अब अंतर्राष्ट्रीय स्तर की पहलवानों द्वारा अनवरत धरना दिए जाने से वे परेशान हैं। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर उनके विरुद्ध दिल्ली पुलिस ने रिपोर्ट लिखी थी। वैसे बेहतर तो यह होता कि महिला पहलवानों ने जब उन पर यौन दुराचार का आरोप लगाया था, तब ही वे इस्तीफा देकर अलग हो जाते और कहते, कि कर लो जांच। लेकिन जब सरकार ने कुश्ती संघ को ही भंग

किया, तब उन्हें खुद हटना पड़ा। अब वे शायराना अंदाज में बोल रहे हैं, कि 'ये मिला मुझे मोहब्बत का सिला, बेवफा कह कर मेरा नाम लिया जाता है!' यही नहीं जब वे रामचरित मानस की यह चौपाई बोलते हैं कि 'हुइ है सोइ जो राम रचि राखा, को करि तर्क बढ़ावहिं साखा', तब यह भी लगता है कि इस बाहुबली सांसद को भावी ख़तरा दिख रहा है। उनका आत्मविश्वास अब डोलने लगा है। रविवार को गोंडा की पब्लिक रैली में जब उन्होंने कहा, कि 'इसको रुसवाई कहें या शोहरत अपनी, दबे होंठों से नाम लिया जाता है।' तब लगा कि बृजभूषण शरण सिंह के ऊपर दबाव इस कदर बढ़ गया है कि वे अपने ऊपर लगे आरोपों को भी अपनी गरिमा समझ रहे हैं। पिछले 12 वर्ष से बृजभूषण शरण सिंह भारतीय कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष रहे हैं। साक्षी मलिक, विनेश फोगाट और बजरंग पूनिया जैसे नामी पहलवानों की मांग के बावजूद बृजभूषण से इस्तीफा नहीं लिया गया। यही नहीं, एफआईआर दर्ज होने के बाद भी उन्हें गिरफ्तार नहीं किया गया था। बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ एक नाबालिग समेत सात महिला पहलवानों ने दो दर्जन एफआईआर कराई थीं। बृजभूषण शरण सिंह को कुश्ती महासंघ से तब हटाया गया जब यूपी निकाय चुनाव संपन्न हो गए और उनका नतीजा भी आ गया। कुश्ती महासंघ की कार्यकारिणी भंग कर 45 दिनों के भीतर भारतीय कुश्ती महासंघ अपनी नई कार्यकारिणी का गठन करेगा और तब ही नया अध्यक्ष चुना जाएगा। इन सबसे अब बृजभूषण शरण सिंह थोड़ा घबराये और इसीलिए रविवार को उन्होंने रैली की। रैली में आयी भीड़ से यह तो लग ही गया कि अभी उनकी लोकप्रियता बरकरार है।

बृजभूषण शरण सिंह की उत्तर प्रदेश के गोंडा, बलरामपुर, अयोध्या और बहराइच में यह लोकप्रियता ही उन्हें इतनी ताकत देती है जिसके बूते वे इतने आरोपों से घिरे होने के बावजूद अपराजेय हैं। खुद भाजपा के सर्वाधिक ताकतवर और लोकप्रिय नेता रहे अटल बिहारी वाजपेयी के सामने घनश्याम शुक्ला (तब वे पूर्व विधायक थे) की हत्या का संदर्भ आने पर बृजभूषण साफ मुकर गये। दरअसल, अपने क्षेत्र में उनकी लोकप्रियता की वजह उनका अपने सहयोगियों के लिए कुछ भी कर डालना रही है।

चिप के जरिये दिमाग नियंत्रण की कोशिश

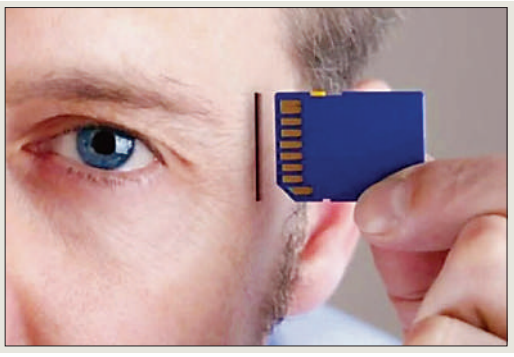

शशांक द्विवेदी

पिछले दिनों उद्योगपति एलन मस्क की कंपनी न्यूरालिंक को ब्रेन-चिप के क्लिनिकल ट्रायल के लिए अमेरिकी फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (एफडीए) से मंजूरी मिल गई है। ये कंपनी इंसानों के दिमाग में कंप्यूटर चिप लगाएगी जिसकी मदद से ह्यूमन ब्रेन को कंट्रोल किया जा सकेगा और ये सीधे कंप्यूटर के साथ कनेक्टेड होगा। अगर यह ट्रायल कामयाब रहा तो चिप के जरिये ब्लाइंड इंसान भी देख सकेंगे। पैरालिसिस से पीड़ित मरीज सोचकर मोबाइल और कंप्यूटर ऑपरेट कर सकेंगे। एलन मस्क की कंपनी ब्रेन-कंप्यूटर इंटरफेस पर काम कर रही है। ये सिस्टम ब्रेन में रखे गए छोटे इलेक्ट्रोड का इस्तेमाल पास के न्यूरॉन्स से संकेतों को 'पढ़ने' के लिए करते हैं। इसके बाद सॉफ्टवेयर इन सिगनल्स को कमांड या एक्शन में डिकोड करता है, जैसे कि कर्सर या रोबोटिक आर्म को हिलाना।

न्यूरालिंक चिप एक छोटी-सी एआई इनेबल्ड चिप होगी जो ह्यूमन माइंड को रीड करेगी। ये न्यूरालिंक चिप कंप्यूटर से कनेक्टेड होगी और इंसान बिना बोले भी कंप्यूटर और मोबाइल पर काम कर पाएगा। यानी चिप आपका माइंड रीड करेगी और बिना बोले सारे एक्शन होते रहेंगे। न्यूरालिंक ने सिक्के के आकार का एक डिवाइस बनाया है। इसे लिंक नाम दिया गया है। ये डिवाइस कंप्यूटर, मोबाइल फोन या किसी अन्य उपकरण को ब्रेन एक्टिविटी (न्यूरल इम्पल्स) से सीधे कंट्रोल करने में सक्षम करता है। उदाहरण के लिए पैरालिसिस से पीड़ित व्यक्ति के मस्तिष्क में चिप लगाने के बाद वह सिर्फ सोचकर माउस का कर्सर मूव कर सकेंगे। न्यूरालिंक पूरी तरह से इम्प्लांटेबल, कॉस्मैटिक रूप से अदृश्य ब्रेन-कंप्यूटर इंटरफेस डिजाइन कर रही है, ताकि आप कहीं भी जाने पर कंप्यूटर या मोबाइल डिवाइस को कंट्रोल कर सकें। माइक्रोन-स्केल थ्रेड्स को ब्रेन के उन क्षेत्रों में डाला जाएगा जो मूवमेंट को कंट्रोल करते हैं। हर एक थ्रेड में कई इलेक्ट्रोड होते हैं, जिसे वह लिंक इम्प्लांट से जोड़ता है। लिंक पर थ्रेड इतने महीन और लचीले होते हैं कि उन्हें मानव हाथ से नहीं डाला जा सकता। इसके लिए कंपनी ने एक रोबोटिक सिस्टम डिजाइन किया है। यह थ्रेड को मजबूती से और कुशलता से इम्प्लांट कर सकेगा। इसके साथ ही न्यूरालिंक एप भी डिजाइन किया गया है।

कहा जा रहा है कि इस चिप को लगाते ही हमारे ब्रेन की हर गतिविधि, हर जानकारी, हर इच्छा और हर मर्जी को कंप्यूटर समझेगा। हम जो चाहेंगे वो वैसा करेगा यानी वो हमारे नियंत्रण में होगा और हमारी हर मर्जी का पालन करेगा। मान लीजिए, आप किसी डॉक्टर को कॉल करना चाहते हैं तो चिप से जुड़ा स्मार्टफोन तुरंत आपने दिमाग की बात समझ कर डॉक्टर को फोन घुमा देगा। चिप इम्प्लांट करने में हमेशा जनरल एनिस्थीसिया से जुड़ा रिस्क होता है। ऐसे में प्रोसेस टाइम को कम करके रिस्क कम किया जा सकता है। न्यूरालिंक चिप के अलावा एक रोबोट भी बना रही है, जो चिप को ऑटोमैटिक तरीके से कान के पिछले हिस्से की ओर से दिमाग में लगाएगा। रोबोट चिप से निकलने वाले महीन तारों को दिमाग में उसी तरह सिल देगा, जैसे कोई सिलाई मशीन कपड़ा सिलती है। न्यूरालिंक का यह रोबोट न्यूरोसर्जरी के मामले में बहुत मददगार हो सकता है। दरअसल सर्जरी के दौरान दिमाग मरीज के सांस लेने के पैटर्न और दिल की धड़कन के हिसाब से मूव करता है। लेकिन रोबोट अपनी सूई को उस मूवमेंट के हिसाब से एडजस्ट कर लेता है।

एक सवाल यह है कि किसी भी बीमारी के इलाज या दिमाग की ताकत बढ़ाने के लिए यह चिप अगर लगाया गया तो 10-20 साल या इससे ज्यादा के लिए लगाया जाएगा। लेकिन इतने लंबे समय में चिप और दिमाग का तालमेल बना रहेगा या नहीं, इस बारे में कोई रिसर्च नहीं की गई है। यहां तक कि जानवरों पर भी ऐसा प्रयोग नहीं हुआ है। न्यूरालिंक ने 2020 में ब्रेन चिप इम्प्लांट वाले एक सुअर जेरट्रयूड को दुनिया के सामने पेश किया। दो महीने पहले उसके दिमाग में सिक्के के आकार वाला करीब 23 मिलीमीटर का चिप लगाया गया था और उसे वायरलेस तरीके से एक कंप्यूटर से कनेक्ट किया गया था। सुअर जब ट्रेडमिल पर अपना पैर बढ़ाता या चारे की ओर मुंह करता तो उसके मूवमेंट के बारे में उसकी दिमागी हरकतों की जानकारी सिग्नल के जरिये मिल रही थी। सुअर वाले चिप में 1024 इलेक्ट्रोड लगे थे, लेकिन इंसानों के लिए न्यूरालिंक जो चिप बना रही है, उसमें 3000 से ज्यादा इलेक्ट्रोड होंगे। ये बाल की मोटाई के बीसवें हिस्से जितने पतले तारों से जुड़े होंगे। प्रेजेंटेशन के दौरान कंपनी ने एक बंदर को अपने न्यूरालिंक इम्प्लांट के माध्यम से कुछ बेसिक वीडियो गेम 'खेलते' या स्क्रीन पर कर्सर ले जाते हुए दिखाया। मस्क ने कहा कि कंपनी ऐसी क्षमताओं को खो चुके इंसानों में दोबारा गतिशीलता लाने के लिए प्रत्यारोपण का इस्तेमाल करने की कोशिश करेगी।

भविष्य में, ब्रेन चिप का इस्तेमाल पढ़ाई, गेमिंग और मेडिकल डिवाइस के तौर पर किया जा सकेगा। ये उन तमाम लोगों के लिए तो बहुत उपयोगी हो सकती है जो चल-फिर भी नहीं सकते, उन्हें बोलने में दिक्कत होती है। मगर ये तय है कि अगर कोई चिप आपके दिमाग की बातों को पढ़ने लगेगा तो ये भी सही है कि आपकी सारी जानकारी, सारी सोच और सारी गतिविधियां भी कंप्यूटर में रिकार्ड होंगी। यानी साफ है कि आप एक अदृश्य तौर पर हमेशा के लिए डिजिटल कैदी बन जाएंगे। ब्रेन इम्प्लांट से जुड़ा हुआ सबसे बड़ा खतरा साइबर हैकिंग का है।

निखरी त्वचा के लिए करें गुलाब का इस्तेमाल

एलोवेरा- गुलाब

गुलाब के पेस्ट में एलोवेरा जेल लगाने से स्किन टाइटनिंग होने के साथ स्किन का टेक्सचर भी अच्छा होता है। इसे बीस मिनट तक चेहरे पर लगाकर रखें।

गुलाब जल

गुलाब जल अगर आप घर पर बनाना चाहे तो बना भी सकते है। उसके लिए आपको ताजे 5 से 8 गुलाब की पंखुड़ियों को उबाल आने तक गर्म करना है फिर 5 से 8 घंटे ठंडा करके उसे बोतल में भर दे। एक बात याद रखना गुलाब को तोड़ने का समय निश्चित रखें, सुबह या शाम। इससे आपको गुलाब जल एक सलीके का बनेगा मतलब खुशबू और गाढ़ापन एक समान मिलेगा।

गुलाब जल से दर्द में राहत

गुलाब जल को औषधि के रूप में भी काम में लिया जाता है। अगर कान में दर्द हो तो आप गुलाब जल की 2-3 बूंदें कान में डाल सकते हैं, जिससे कान का दर्द गायब हो जाता है। गुलाब जल के साथ नींबू का रस मिला कर दाढ़ पर लगाने से दाढ़ का दर्द ठीक हो जाता है।

गुलाब का पेस्ट

चेहरे पर ग्लो लाने के लिए आप गुलाब के पेस्ट का इस्तेमाल कर सकती हैं। इसके लिए आप ताजे खिले गुलाब की पंखुड़ियां लेकर उन्हें अच्छे से साफ कर लीजिए। अगर ये गुलाब ऑर्गेनिक होगा तो और भी बेहतर रहेगा। इस पेस्ट को चेहरे पर लगाएं।

गुलाब-शहद

गुलाब के पेस्ट में शहद मिलाकर इसको अच्छे से मिक्स कर लें। चाहें तो इसमें कुछ बूंद गुलाब जल की डाल लें। इसके बाद इस पेस्ट को दस से 15 मिनट के लिए चेहरे पर लगा लें। ये आपके चेहरे की नमी भी बरकरार रखेगा।

दही-गुलाब

दही और गुलाब का पेस्ट आपके चेहरे को ग्लोइंग बनाने में मददगार होता है। दही ब्लीच का काम करता है। इससे स्किन टोन लाइट होती है।

गर्मियों के मौसम में निखरती हुई त्वचा पाना काफी मुश्किल काम होता है। इसके लिए महिलाएं पार्लर जाकर हजारों रुपये खर्च कर देती हैं। स्किन टाइप के हिसाब के कई तरीके से फेशियल आते हैं, जो स्किन का ग्लो बरकरार रखने में काफी मददगार होते हैं। पर कई बार इनसे स्किन पर एलर्जी तक हो जाती है। इसी के चलते ज्यादातर महिलाएं घरेलू नुस्खों पर ज्यादा भरोसा करती हैं। महिलाओं को लगता है कि घर पर खूबसूरती बढ़ाने के लिए आपको न ज्यादा पैसे खर्च करने की जरूरत पड़ती है और ना ही ज्यादा मेहनत लगती है। इसी के चलते आज के लेख में हम आपको गुलाब के इस्तेमाल से निखरती हुई त्वचा पाने का सही तरीका बताएंगे। आपने अक्सर लोगों को कहते सुना होगा कि गुलाब जैसा निखरता चेहरा चाहिए तो गुलाब का इस्तेमाल करें ताकि आप भी लोगों की तारीफ बटोर सकें।

गुलाब-चंदन

गुलाब के पेस्ट में चंदन पाउडर और थोड़ा सा दूध मिलाकर चेहरे पर लगाएं। ऐसा करने से स्किन में कसावट के साथ-साथ स्क्रबिंग भी हो जाएगी। चंदन पाउडर एक अच्छा एंटीऑक्सीडेंट होता है। इस पैक से स्किन हाईड्रेट होती है।

हंसना मना है

लड़की- प्लीज मुझे सीट दे दो? लड़का - क्यूं दे दूं? लड़की- अरे लड़की खड़ी है, सीट भी नहीं दे सकते क्या? लड़का - आप मुझसे शादी कर लो? लड़की- किस खुशी में कर लूं? लड़का- लड़का कुंवारा घूम रहा है, शादी भी नहीं कर सकती?

खिड़की पर खड़े आदमी को कैशियर ने कहा पैसे नहीं है, ग्राहक- और दो मोदी माल्या को पैसा, सारे पैसे लेकर भाग गए विदेश में, कैशियर ने खिड़की में से हाथ निकाला और उसकी गर्दन दबोच कर कहा साले बैंक में तो है तेरे खाते में नहीं है भिखारी।

ग्राहक- बेटा तेरे पापा की तो रसगुल्ले की दुकान है, तेरा खाने का मन नहीं करता? बच्चा- बहुत मन करता है अंकल लेकिन पापा गिन कर रखते हैं इसलिए बस, चूस के वापिस रख देता हूं। ग्राहक बेहोश..

लड़का एक लड़की के साथ घर आया। मां- कौन है यह, लड़का- यह मेरी धर्म-पत्नी है। मां- कब से चल रहा था तुम दोनों के बीच ये सब, लड़का- पता नहीं यह तो पार्क में मेरे बगल में बैठ किसी का इंतज़ार कर रही थी। बजरंग दल वालों ने हमारी शादी करवा दी।

कहानी | बन्दर का शिकार

पहले के समय में शिकारी बन्दर का शिकार करने के लिए ना तो पेड़ पे जाल बिछाते थे ना ही उन्हें तीरों से मारते थे। वो लोग बस जमीन के अंदर एक सुराही को गाड़ देते थे, और उसमे बंदरों का पसंदीदा खाना डाल देते थे। और बस छुप करके बंदरों के आने का इंतजार किया करते थे। जैसे ही कोई बन्दर वहां आता था। खाना निकालने के लिए अपना हाथ उस सुराही में डालता और खाने को पकड़ के मुट्ठी बांधता। और बाहर निकालने की कोशिश करता। लेकिन सुराही की गर्दन पतली होने के कारन बन्दर अपना हाथ बहार नहीं निकाल पाते थे। खाने को छोड़े बिना सुराही से बाहर हाथ निकालने का कोई तरीका नहीं था। फिर भी बंदर खाने के लालच में ना खाना छोड़ते थे ना ही अपना हाथ बहार निकाल पाते थे। फिर शिकारी बन्दर के पास जाते और उन्हें आसानी से पकड़ लेते थे।

कहानी से सीख- इस कहानी से हमें यह सीख मिलती है कि उस बन्दर की तरह मत बनीए। आपको पता होना चाहिए की हमें कब क्या छोड़ना है कब हमें आगे आगे बढ़ना है। आपको सफल होने के लिए जो भी चीज आपको रोक रही है उसे छोड़ देना चाहिए। इंसान को अपने भविष्य में आगे बढ़ने के लिए लिए कभी कभी कुछ चीजों को जाने देना चाहिए।

7 अंतर खोजें

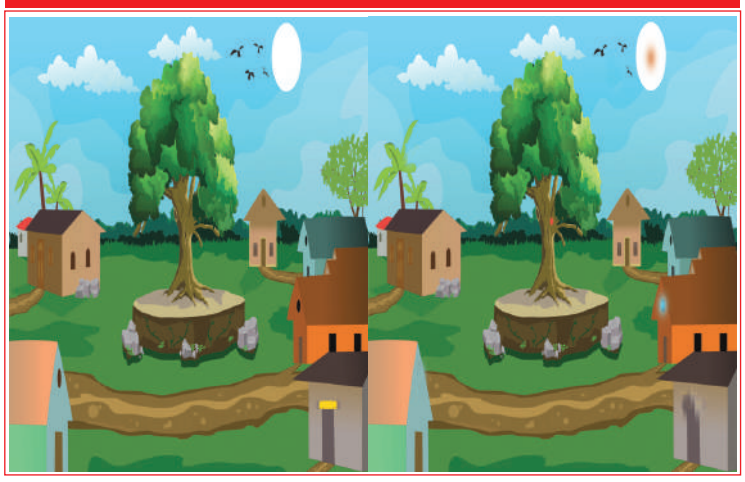

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — आज आपका आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा। पारिवारिक काम को पूरा करने में आप सफल होंगे। किसी जरूरी काम में आपको दोस्तों का सपोर्ट मिलेगा।

तुला — आज शाम को आप घर पर पार्टी का प्लान बनायेंगे। आपको कोई गलतफहमी हो सकती है। आज छुपी हुई कुछ बातें आपके सामने आ सकती है।

वृषभ — आज व्यावसायिक संदर्भ में कुछ परेशानियां रह सकती है। किन्तु आमदनी में बढ़ोत्तरी होगी। वैवाहिक जीवन सुखद एवं अनुकूल रहेगा। पारिवारिक जीवन सुखद रहेगा।

वृश्चिक — छात्रों के लिए यह दिन शुभ है। छात्र प्रतियोगिताओं में अच्छा करेंगे और अपने इच्छित संस्थान में प्रवेश प्राप्त कर सकेंगे। पारिवारिक जीवन सुचारु रहेगा।

मिथुन — आज किसी जरूरी कामकाज को निपटाने में आप सफल होंगे। आज का दिन किसी खास कामों के लिए बेहतर है। आप अपने आसपास के लोगों के साथ उदार रहेंगे।

धनु — आज आपको अचानक धन लाभ होगा। आपके सोचे हुए काम पूरे होंगे। आप किसी नए काम की शुरुआत करने के बारे में विचार करेंगे।

कर्क — भागीदार या किसी करीबी सहयोगी से समस्या हो सकती है। व्यवसाय संबंधित यात्राएं वांछित परिणाम नहीं दे पाएंगी। आप में से कुछ लोग बदनामी और अपमान का शिकार हो सकते हैं।

मकर — कार्यस्थल पर किए गए प्रयास आने वाले दिनों में आपकी सफलता और प्रगति में योगदान करेंगे। पारिवारिक जीवन सुखमय और आनंददायक रहेगा।

सिंह — आर्थिक उतार-चढ़ाव की स्थितियां देखने को मिल सकती है। काम ज्यादा और लाभ कम, इस तरह की समस्या भी उत्पन्न हो सकती है।

कुम्भ — आज किसी मित्र की मदद से आपके काम बनेंगे। अपने कॉन्फिडेंस के दम पर आप लगभग हर काम में सफल होंगे। किसी रचनात्मक काम में आपका रूझान बढ़ेगा।

कन्या — व्यावसायिक संदर्भ में नए उद्यम की शुरुआत हो सकती है, या एक नए सौदे को अंतिम रूप दिया जा सकता है। भविष्य में यह अत्यधिक लाभ अर्जित कर सकता है।

मीन — आप नियमों का पालन करने के लिए बाध्य है। इसलिए परियोजनाओं में देरी हो सकती है। आप में से कुछ की माता जी की सेहत बिगड़ सकती है, इससे आप चिंतित हो सकते हैं।

प्यार...कानून और धोखे से लड़ेंगी काजोल

प्यार...कानून और धोखा...द ट्रायल में काजोल इन सब परिस्थियों से लड़ती दिखने वाली हैं। सीरीज का ट्रेलर रिलीज हो गया है, जो फैंस को काफी पसंद आ रहा है। इस सीरीज का ऐलान एक्ट्रेस ने काफी शॉकिंग तरीके से किया था, जिसे देखकर हर कोई हैरान रह गया था। एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया से एक दिन का ब्रेक लेने के बाद ही इसका ऐलान किया था। एक्ट्रेस की इस दमदार सीरीज का ट्रेलर लॉन्च हो गया है। ये वेब सीरीज एक कोर्ट रूम ड्रामा है, जिसमें काजोल एक तेजतर्रार वकील, मां और पत्नी नयनिका सेनगुप्ता के किरदार में नजर आ रही हैं। नयनिका अपनी लाइफ की परेशानियों से जूझती दिखेगी। इस ट्रेलर को डिज्नी प्लस हॉटस्टार के इंस्टाग्राम पेज और काजोल दोनों ने शेयर किया है। कैप्शन में लिखा गया है- 'परीक्षा जितनी कठिन होगी, वापसी उतनी ही कठिन होगी..', वहीं काजोल ने लिखा- ट्रायल सिर्फ कोर्ट रूम में नहीं, जिंदगी में भी होते हैं.. बता दें कि इस सीरीज का ऐलान करने के लिए काजोल ने तगड़ा पब्लिसिटी स्टंट किया था। एक्ट्रेस ने इइंस्टाग्राम अकाउंट पर एक क्रिप्टिक नोट शेयर कर सोशल मीडिया से ब्रेक का ऐलान किया था। इस पोस्ट में उन्होंने लिखा था कि- अपनी जिंदगी में सबसे मुश्किल ट्रायल को झेल रही हूं..सोशल मीडिया से ब्रेक ले रही हूं। इश पोस्ट ने हर जगह खलबली मचा दी थी।

द ट्रायल का ट्रेलर हुआ रिलीज

एक्ट्रेस ने ऐसे किया था ऐलान

इस प्लेटफॉर्म पर होगी रिलीज
काजोल को पिछली बार फिल्म सलाम वेंकी में देखा गया था। इसके बाद अब एक्ट्रेस ने ओटीटी पर दमदार कमबैक किया है। काजोल की ये वेब सीरीज द ट्रायल - प्यार, कानून, धोखा डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर रिलीज होगी। सीरीज का ट्रेलर देखने के बाद फैंस इसका बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

बॉलीवुड | मन की बात

अब ओटीटी की फील्ड में किस्मत आजमाएंगी कृति

कृति सेनन इन दिनों अपकमिंग फिल्म आदिपुरुष को लेकर सुर्खियों में छाई हैं। ओम राउत के निर्देशन में बनीं यह फिल्म 16 जून को रिलीज के लिए पूरी तरह से तैयार है। रामायण पर बेस्ड इस फिल्म में प्रभास प्रभु राघव के रोल में नजर आएंगे तो वहीं कृति सीता के रोल में दिखेंगी। अब फिल्म की रिलीज से पहले एक्ट्रेस को लेकर एक बड़ी खबर सामने आ रही है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कृति सेनन एक ओटीटी फिल्म की प्रोड्यूसर बनकर डेब्यू करने को तैयार हैं। कृति को नई फिल्म की स्क्रिप्ट पसंद आ गई है। खबर है कि वह बतौर एक्ट्रेस इस फिल्म में काम भी करेंगी। हालांकि अभी तक इस प्रोजेक्ट के नाम का कोई ऐलान नहीं हुआ है, न ही कोई जानकारी सामने आई है। कृति से पहले दीपिका पादुकोण, प्रियंका चोपड़ा और आलिया भट्ट भी फिल्म प्रड्यूसर बन चुकी हैं। अपने फिल्मी करियर को लेकर बात करते हुए कृति सेनन ने कहा, मुझे खुशी है कि ओम राउत ने मुझे आदिपुरुष के लिए जानकी के रोल के लिए चुना, विकास बहल को गणपत की जस्सी दिखी और रोहित धवन ने मुझे अपनी अपकमिंग फिल्म के लिए एक ग्लैमरस शहर की लड़की के रूप में देखा। मैं अपनी जिंदगी के इस चरण में बहुत ही एक्साइटेड और धन्य महसूस कर रही हूं और जो मुझे लगता है कि मेरे करियर का सबसे बेस्ट फेज है। एक्ट्रेस कृति सेनन ने अपने फिल्मी करियर की शुरुआत तेलुगु फिल्मों से की थी। कृति ने अपना साउथ डेब्यू साल 2014 में आई फिल्म नेनोक्कडीने में नजर आई थीं। इसी साल उन्होंने टाइगर श्रॉफ के साथ फिल्म हीरोपंती के जरिए बॉलीवुड में भी डेब्यू किया था। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट हो गई थी।

'जरा हटके जरा बचके' ने लगाई हाफ सेंचुरी

विक्की कौशल और सारा अली खान अभिनीत रोमांटिक-कॉमेडी फिल्म 'जरा हटके जरा बचके' ने 10 दिन में 50 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई कर ली है। फिल्म निर्माताओं ने सोमवार को यह जानकारी दी। फिल्म निर्माता कंपनी 'मैडॉक फिल्म्स' ने सोशल मीडिया पर फिल्म की कमाई के आंकड़े साझा किए।

कंपनी के आधिकारिक खाते पर एक तस्वीर साझा करते हुए यह जानकारी दी गई। उस तस्वीर में फिल्म के कलाकार नजर आ रहे हैं और उस पर लिखा है 10 दिन में 53.55 करोड़ रुपये की कमाई। कंपनी ने तस्वीर साझा करते हुए लिखा, ''आपके प्यार के आगे हमारा शुक्रिया छोटा है। पर यहीं कहेंगे कि आपके प्यार ने हमारा दिल जीता है...'' 'लुका छुपी' और 'मिमी' जैसी फिल्मों का निर्देशन कर चुके लक्षण उतेकर फिल्म 'जरा हटके जरा बचके' के निर्देशक हैं। 'मैडॉक फिल्म्स' और 'जियो स्टूडियोज' के बैनर तले बनी फिल्म जरा हटके जरा बच्चे में विक्की कौशल और सारा के अलावा इनामुलहक, सुष्मिता मुखर्जी, नीरज सूद, राकेश बेदी और शारिब हाशमी जैसे कलाकार भी हैं। फिल्म दो जून को रिलीज हुई थी। विक्की कौशल और सारा अली खान की फिल्म के गाने काफी पॉपुलर है। सोशल मीडिया पर फिल्म के गानों को काफी पसंद किया जा रहा है। तु है तो मुझे क्या चाहिए गाना हर किसी की पहली पसंद बना हुआ है।

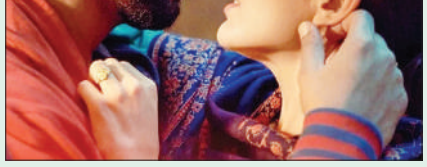

1 करोड़ की सैलरी, 6 महीने में एक दिन काम, फिर भी नहीं मिल रहे आवेदन

नौकरियां तो आपने तरह-तरह की सुनी होंगी। कुछ ऐसी, जो खूब मुनाफा देती हैं तो कुछ ऐसी कि मेहनत कितनी भी कर लो, सैलरी बढ़ती ही नहीं है। यही वजह है कि ज्यादा पैसे कमाने के लिए लोग कहीं भी जाने को तैयार रहते हैं। आज आपको हम एक ऐसी नौकरी के बारे में बताएंगे, जिसमें 1 करोड़ की सैलरी ऑफर की जा रही है, फिर भी इसे करने के लिए कोई आ ही नहीं रहा है। ये जॉब ऑफर इस वक्त सोशल मीडिया पर तहलका मचा रही है। टिकटॉक पर किसी ने इस नौकरी के बारे में बताया तो सुनकर लोगों का दिमाग ही हिल गया। सिर्फ 6 महीने में एक बार कुछ घंटे के लिए काम करने के बदले एक करोड़ की तनख्वाह दी जा रही है। बावजूद इसके नौकरी करने के लिए कोई नहीं आ रहा है। मिरर की रिपोर्ट के मुताबिक ये नौकरी कोई आम नौकरी नहीं बल्कि टावर लैंटर्न चेंजर की है। इसमें आपको 600 मीटर से ज्यादा ऊंचाई वाले सिग्नल टावर पर चढ़ना होता है और इस बल्ब को बदलना होता है। आपको अगर अब भी लग रहा है कि ये काम तो आसान है, तो आपको बता दें कि ये टावर सामान्य टावरों की तुलना में ज़रा अलग होते हैं। ऊंचाई के साथ-साथ इसमें ऊपरी हिस्सा भी पतला होता जाता है। सुरक्षा के लिए सिर्फ एक रस्सी का ही इस्तेमाल किया जाता है। यही वजह है कि इस नौकरी को करने वाले को 1 लाख पाउंड यानि भारतीय मुद्रा में 1,03,53,476.46 रुपये की सैलरी दी जा रही है। इस जॉब के लिए एप्लाई करना है तो आपको ऊंचाई का फोबिया नहीं होना चाहिए। आपको शारीरिक तौर पर फिट होना है क्योंकि टावर चढ़ने में 3 घंटे का वक्त लगता है। ऐसे में उतरने का वक्त मिलाकर ये नौकरी 6 घंटे की होगी। चूंकि ऊपर 100 किलोमीटर/घंटा की रफ्तार से हवा चलती रहती है, ऐसे में ये रिस्की भी बहुत है। इस नौकरी के लिए सालभर का भी अनुभव नहीं मांगा गया है। सैलरी एक्सपीरियंस के मुताबिक बढ़ भी सकती है। इतना सब कुछ होने के बाद भी रिस्क को धेखते हुए ये नौकरी करने के लिए लोग आवेदन ही नहीं दे रहे हैं।

अजब-गजब | लखनऊ शहर का अजीब मोहल्ला

मशहूर पंडित बुद्धराम के घर का पता पूछने पर लगता है 50 रुपये जुर्माना

लखनऊ शहर में एक ऐसा मोहल्ला है जहां पर अगर आपने किसी का भी दरवाजा खटखटा कर पता पूछ लिया तो आपके ऊपर 50 रुपये का जुर्माना लग जाएगा। आपको पता तभी बताया जाएगा जब आप पता बताने वाले को 50 रुपये देंगे। यह सुनकर यकीनन आपको हैरानी हो रही होगी, लेकिन यह सच है। राजधानी लखनऊ के सआदतगंज के बीबीगंज मोहल्ले के लोग पता पूछने वाले से 50 रुपये लेते हैं। असल में पूरा मामला यह है कि इसी इलाके में एक घर है मशहूर पंडित बुद्धराम का। जिनके पास देश के कोने-कोने से लोग अपनी परेशानियों को लेकर आते हैं। परेशानी जैसे कर्जा, प्यार में धोखा, सास की प्रताड़ना, करियर न बनना, पढ़ाई में मन न लगना और करियर को किस दिशा में बनाना है जैसी सलाह लेने के लिए लोग आते हैं।

सिर्फ 200 रुपये में लोगों को उनकी मनचाही चीज पाने के लिए उपाय बताए जाते हैं। यही वजह है कि कई सालों से इस इलाके में देश के कोने कोने से लोगों का आना जाना लगा रहता है। इसके बावजूद पंडित जी ने अपना कोई भी बोर्ड कहीं पर भी नहीं लगाया है, जिससे लोगों को जानकारी हो सके। यही वजह है कि लोग उनके घर का सही पता पूछने के लिए उन्हीं के इलाके के आसपास के घरों का दरवाजा खटखटाते हैं। यह सिलसिला कई सालों से चल रहा है इसलिए अब मोहल्ले के लोगों ने परेशान होकर अपने

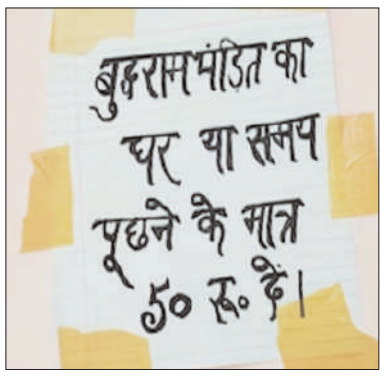

घर के बाहर एक नोटिस लगा दी है जिस पर साफ तौर पर लिख दिया है कि पंडित बुद्धराम का घर और समय पूछने के मात्र 50 रुपये दें। इस तरह की नोटिस इस इलाके में ज्यादातर घरों पर लगी हुई है। इस इलाके में कुछ लोग ऐसे हैं जिन्होंने अपने घर के बाहर नोटिस लगा रखी है और पता पूछने वालों से 50 रुपये लेते हैं जबकि कुछ लोग ऐसे भी हैं जिन्होंने कोई नोटिस नहीं लगाई है लेकिन अगर किसी ने उनका दरवाजा खटखटा दिया तो वो पता और पंडित जी के बैठने का समय तभी बताते हैं जब सामने वाला उन्हें 50 रुपये देता है। इस इलाके में कई सालों से रह रहीं 70 वर्षीय कमला ने बताया कि पंडित बुद्धराम का घर उनके घर के ठीक सामने हैं। ऐसे में कई सालों से पंडित बुद्धराम का घर और समय पूछने के लिए 80 फीसदी लोग उन्हीं का दरवाजा खटखटाते हैं। कुछ लोग तो ऐसे भी हैं जो घर के अंदर तक चले आते हैं। ऐसे में लोगों से परेशान होकर उन्होंने अपने घर के बाहर 50 रुपये देने की नोटिस लगाई ताकि लोग 50 रुपये देने के डर से उनका दरवाजा खटखटाना बंद कर दें। इसी इलाके में रहने वाले कुलदीप ने बताया कि बिना नोटिस भी बहुत लोग कमाई कर रहे हैं। पंडित जी के नाम पर क्योंकि पंडित जी का कोई बोर्ड नहीं है। लोग दूर-दराज से आते हैं। भटकते हुए किसी न किसी का दरवाजा खटखटा ही लेते हैं। उन्होंने कहा कि अगर एक बोर्ड लग जाएगा तो यह जो अवैध कमाई पंडित जी के नाम पर हो रही है, रुक जाएगी। इसी इलाके के 60 वर्षीय मैकूलाल प्रजापति ने बताया कि लोगों ने उनके घर में रहना दुश्वार कर दिया है। लोग पंडित बुद्धराम का पता पूछने के लिए उनकी डोरबेल बजाते रहते हैं। ऐसे में उन्होंने भी पैसे लेने शुरू कर दिए हैं।

पंडित बुद्धराम की गद्दी संभाल रहे दयाशंकर पांडेय ने बताया कि उन्हें इसकी जानकारी नहीं है कि लोग उनके नाम पर अवैध वसूली लोगों से कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि जल्द ही एक बोर्ड लगा दिया जाएगा।

1250 करोड़ के कर्ज से गिराई थी कमलनाथ सरकार, अब आग लगवाई : कांग्रेस

» लगाया आरोप- उसी भ्रष्टाचार की फाइलें आग में जलीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। सतपुड़ा भवन में लगी आग को लेकर कांग्रेस ने मध्य प्रदेश की शिवराज सिंह चौहान सरकार को घेरा है। कांग्रेस का आरोप है कि 2020 में कमलनाथ की सरकार गिराने के लिए भाजपा नेताओं ने एक केंद्रीय मंत्री से 1250 करोड़ रुपये का कर्ज लिया था। इसे चुकाने के लिए कोरोना काल में विभिन्न उपकरणों, दवा और अन्य खरीदी में भ्रष्टाचार कर धन एकत्र किया गया। इन्हीं फाइलों को आग में जला दिया गया है।

हाईकोर्ट, लोकायुक्त और ईओडब्ल्यू जैसे संगठनों में विचाराधीन दस्तावेज थे शामिल मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मीडिया विभाग के अध्यक्ष केके मिश्रा ने सोमवार को कहा कि जिन मंत्रालयों के दफ्तरों में आग से दस्तावेज जला दिए गए हैं, उनसे जुड़े मामले उच्च न्यायालय, लोकायुक्त और ईओडब्ल्यू जैसे संगठनों में विचाराधीन है। इन विभागों से संबंधित प्रमुखों का संबंध कमलनाथ सरकार के गिराए जाने को लेकर एकत्रित धन इकठ्ठा करने से जुड़ा हुआ है। 14 अप्रेल को मेरे निवास से हुई लाइसेंसी रिवॉल्वर और स्वास्थ्य विभाग में हुए 250 करोड़ रुपये के भ्रष्टाचार से जुड़ी फाइल के चोरी होने से भी इस आग का ताल्लुक है।

स्वतंत्र एजेंसी करे जांच : कमलनाथ

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रमुख कमलनाथ ने कहा कि सतपुड़ा भवन में आग लगी या लगाई गई? यह सबसे बड़ा प्रश्न है? एक और भ्रष्टाचार का उदाहरण है।

उन्होंने कहा कि बताया जा रहा है कि 12 हजार फाइलें जली हैं। लेकिन न जाने कितनी फाइलें जली होंगी। जो हजारों फाइल जली, उनका क्या लक्ष्य था? क्या उद्देश्य था? यह एक बड़ा भ्रष्टाचार का मामला है। पीसीसी चीफ ने मामले की स्वतंत्र एजेंसी से जांच कराने की मांग भी की है।

सतपुड़ा भवन की आगजनी की जांच शुरू

सतपुड़ा भवन में आग लगने की घटना की उच्च स्तरीय जांच करने के लिए गठित कमेटी ने मंगलवार दोपहर में जांच शुरू कर दी। इससे पहले एनएचएम की डायरेक्टर प्रियंका राय और कलेक्टर आशीष सिंह ने पूरी बिल्डिंग का जायजा लिया। तीसरी मंजिल से छठवीं मंजिल तक आग से सब कुछ जलकर खाक हो चुका है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के निर्देश पर गठित कमेटी साजिश या हादसा, हर एंगल पर जांच कर रही है।

कांग्रेस हर जगह राजनीति के मौके देख रही है : नरोत्तम मिश्र

कांग्रेस के आरोपों पर गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने पलटवार करते हुए कहा कि कांग्रेस नेता हर जगह राजनीति करने का अवसर तलाश रहे है। उन्होंने कहा कि चार हजार कर्मचारी अंदर थे। ऐसे में कैसे आग लग जाएगी? कौन मिट्टी का तेल और पेट्रोल ले जाएगा? यह सोचने वाली बात है। उन्होंने कहा कि वहां इस तरह की कोई फाइल नहीं थी, जिसे लेकर आरोप लगाए जा रहे है। न वहां पर्चेजिंग की फाइलें है और न ही किसी टेंडर की। इस घटना पर पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती ने ट्वीट कर कहा कि सतपुड़ा भवन भोपाल में लगी आग चिंता का विषय है। भगवान करें शीघ्र समाधान हो।

प्रायोजित, योजनाबद्ध और मानवनिर्मित अग्निकांड : केके मिश्रा

मिश्रा ने कहा कि प्रदेश के मलाईदार मंत्रालयों के मुख्यालय सतपुडा भवन में लगाई गई आग प्रायोजित, योजनाबद्ध और मानव निर्मित अग्निकांड है। अंग्रेजी में कहावत है कि द रिट्रिट आर्मी डिस्ट्राय देयर पिल बॉक्सेस यानि जिस तरह भागती हुई सेनाएं अपने छिपने के स्थानों (बंकरों) को नष्ट करती है, उसी तरह का संदेश यह प्रायोजित अग्निकांड है। प्रदेश में व्याप्त भ्रष्टाचार करने वाले जवाबदार लोगों को अब यह आभास हो चुका है कि आगामी विधानसभा चुनाव में मौजूदा प्रदेश सरकार की विदाई सुनिश्चित है। भ्रष्टाचार के जुड़े दस्तावेजों को ऐसी ही प्रायोजित हरकतों से समूल नष्ट कर दिया जाए। यह लगभग तय है कि प्रदेश में कमलनाथ के नेतृत्व में स्पष्ट बहुमत वाली कांग्रेस की सरकार काबिज होने वाली है। उसके बाद भ्रष्टाचार से जुड़े मसलों के प्रमाणों को नष्ट करने वाले बचेंगे नहीं।

फोटो :4 पीएम

मांग पुरानी पेंशन योजना बहाली की माँग को लेकर कर्मचारियों ने केंद्रीय भवन से रथयात्रा निकाली यह यात्रा केंद्रीय भवन पुरनिया से शुरू होकर चारबाग पर खत्म हुई। इस यात्रा में केंद्रीय कर्मचारी, राज्य कर्मचारी और शिक्षक शामिल हुए।

कलकत्ता हाईकोर्ट ने दिया विपक्ष को झटका

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। पश्चिम बंगाल पंचायत चुनाव से पहले कलकत्ता हाईकोर्ट ने विपक्षी दलों को झटका दिया है। हाई कोर्ट ने पंचायत चुनाव के लिए नामांकन की तारीख आगे बढ़ाने से इनकार कर दिया है। हाई कोर्ट ने कहा कि वे पंचायत चुनाव की नामांकन तारीख को आगे बढ़ाने की मांग पर विचार नहीं कर सकते हैं।

कोर्ट ने पश्चिम बंगाल निर्वाचन आयोग पर फैसला छोड़ दिया है। इसके अलावा हाई कोर्ट ने पंचायत चुनावों के लिए केंद्रीय बलों की तैनाती का आदेश दिया। पंचायत चुनाव की तारीखों की घोषणा के बाद हाई कोर्ट में बंगाल कांग्रेस अध्यक्ष अधीररंजन चौधरी और बीजेपी के शुभेंदु अधिकारी की तरफ से दो जनहित याचिकाएं दाखिल हुई थीं। इसमें राज्य निर्वाचन आयोग की ओर से जारी नोटिफिकेशन के कुछ हिस्सों को चुनौती गई थी।

प्रदेश में लू चलने का यलो अलर्ट जारी, अभी और सताएगी गर्मी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रचंड गर्मी से परेशान उत्तर प्रदेश के लोगों को फिलहाल राहत मिलने के आसार नहीं दिख रहे। सोमवार को गोरखपुर, झांसी, बस्ती और प्रयागराज लू की चपेट में रहे। झांसी शहर 45.6 डिग्री सेल्सियस पारे में तपा, जबकि प्रयागराज में भी दिन का अधिकतम तापमान 45.1 डिग्री दर्ज किया गया।

मौसम विभाग ने प्रदेश के कई क्षेत्रों में लू चलने का येलो अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग ने बांदा, चित्रकूट, कौशांबी, प्रयागराज, सोनभद्र, मिर्जापुर, चंदौली, वाराणसी, संत रविदास नगर, गाजीपुर, मऊ, बलिया, देवरिया, गोरखपुर, संत कबीरनगर, बस्ती, कुशीनगर, आगरा, जालौन, झांसी, ललितपुर और आसपास के इलाकों के लिए लू चलने का अलर्ट जारी किया है। दूसरी ओर, झांसी और प्रयागराज के अलावा प्रदेश के ज्यादातर इलाकों में पारा सामान्य से अधिक रहा।

वहीं, रात का चढ़ता पारा, राजधानी लखनऊ में दिन को और भी गर्म बना रहा है। झुलसाने वाली इस गर्मी से फिलहाल राहत मिलने के आसार नहीं हैं। सोमवार को दिन का तापमान 41 डिग्री सेल्सियस, तो रात का 29.4 डिग्री दर्ज हुआ।

पीवी सिंधू और प्रणय प्री-क्वार्टर फाइनल में

» इंडोनेशिया ओपनः त्रीशा-गायत्री बाहर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जकार्ता। भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू ने इंडोनेशिया ओपन विश्व टूर सुपर 1000 प्रतियोगिता के पहले दौर में स्थानीय दावेदार ग्रिगोरिया मारिस्का तुंजुंग के खिलाफ सीधे गेम में जीत दर्ज की। पिछली दो प्रतियोगिताओं के पहले दौर से बाहर होने वाली दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधू ने इंडोनेशिया की विरोधी खिलाड़ी को 38 मिनट में 21-19 21-15 से हराकर प्री-क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई।

सिंधू की ग्रिगोरिया के खिलाफ पिछले तीन मैच में यह पहली जीत है। उन्हें इंडोनेशिया की इस खिलाड़ी के खिलाफ इसी साल मैड्रिड मास्टर्स और मलेशिया मास्टर्स में हार का सामना करना पड़ा था। सिंधू की ग्रिगोरिया के खिलाफ 10 मैच में यह आठवीं जीत है जबकि उन्हें दो बार हार का सामना करना पड़ा है। सिंधू की आगे की राह आसान नहीं होगी क्योंकि अगले दौर में उन्हें तीसरी वरीय ताइ जू यिंग से भिड़ना है। फॉर्म में चल रहे एचएस प्रणय भी जापान के केंटा निशिमोटो को 50 मिनट में सीधे गेम में 21-16 21-14 से हराकर अगले दौर में प्रवेश करने में सफल रहे। पिछले महीने मलेशिया मास्टर्स सुपर 300 का खिताब जीतने वाले सातवें वरीय भारतीय प्रणय अगले दौर में हांगकांग के एनजी का लोंग एंगस से भिड़ेंगे।

त्रीशा और गायत्री जूझकर हारे

त्रीशा जॉली और गायत्री गोपीचंद की भारत की महिला जुगल जोड़ी हालांकि पहले दौर में रिंग इवानागा और केई नाकानिशी की जापान की जोड़ी के खिलाफ शिकस्त के साथ प्रतियोगिता से बाहर हो गई। भारत की राष्ट्रमंडल खेलों की कांस्य पदक विजेता जोड़ी को एक घंटा और 12 मिनट चले कड़े मुकाबले में 22-20 12-21 16-21 से हार का सामना करना पड़ा।

मेन पॉवर के काम में माध्यमिक शिक्षा में करोड़ों लूटने की तैयारी

» शासन में शिकायत के बाद भी नहीं हुई कोई कार्यवाही

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस की नीति को उनके ही कर्मचारी व अधिकारी धूल में मिलाने में लग गए। मामला माध्यमिक शिक्षा विभाग में मेन पावर की आपूर्ति से संबंधित है। इसमें विभाग ने जेम पोर्टल पर निविदा के माध्यम से चतुर्थ श्रेणी एवं गार्ड आदि की आपूर्ति की मांग की है। पर इसमें भ्रष्टाचार का मामला उजागर हुआ है। इस बाबत एक शिकायत पूर्व मंत्री व भाजपा के विधायक बलरामपुर सदर पल्टूराम ने मुख्यमंत्री से की है। उन्होंने इस निविदा को निरस्त करने और साथ ही नियम विरूद्ध कार्यवाही किए जाने मांग की है।

शिकायतकर्ता के अनुसार माध्यमिक शिक्षा विभाग, उत्तर प्रदेश के द्वारा संचालित विद्यालय में आउटसोर्सिंग के माध्यम से जेम पोर्टल के द्वारा निविदा का प्रकाशन कराया गया था। इसमें लगभग 242 सेवा प्रदाताओं द्वारा निविदा दी गई, परन्तु क्रेता द्वारा तकनीकी मूल्याकन में केवल 3 को ही काम के लायक समझा गया और अन्य प्रतिभागियों को इसकी सूचना भी नहीं दी गई। इस निविदा का मूल्य लगभग 15.59 करोड़ था।

भ्रष्टाचार से जुड़ा यह मामला राज्य सरकार की विश्वसनीयता पर प्रश्न चिन्ह लगा रहा था इसलिए भाजपा के विधायक व पूर्व मंत्री पल्टू रामजी विधायक 294 बलपुर सदर ने 11.4.20023 को सचिव एवं मध्यम उत्तर प्रदेश को इस संबंध में पत्र लिखा। इस पत्र का संज्ञान लेकर अपर मुख्य सचिव, सूक्ष्म लघु व मध्यम उद्यम, उत्तर प्रदेश शासन से जांच कराई गई। जांच में निविदाओं में गड़बड़ी पाई गई। इसमें आजमगढ़ की निविदा नियम विरुद्ध स्वीकार की गई उसके बाद उसे निरस्त कर दिया गया। वहीं अयोध्या मंडल की निविदा को पूल निविदा मानते हुए इसको भी निरस्त करने के लिए शासन को पत्र भेजा गया है। इसका एक पत्र संख्या ई 1705814 / 18-2 2023 लव 30 दिनांक-19-052023 विशेष सचित [13:36, 14/06/2023] लघु उद्यम उत्तर प्रदेश शासन के द्वारा सचिव माध्यमिक शिक्षा को पूर्व में प्रेषित किया जा चुका है। सबसे बड़ी बात सारे आदेशों को दरकिनार करके भी निविदाओं को निरस्त नहीं किया गया और संयुक्त निदेशक माध्यमिक शिक्षा द्वारा उन्हीं लोगों को मोटी रकम लेकर काम जारी करने की निविदा प्रकाशित करा दी गई। यही नहीं संबंधित विभाग के द्वारा उक्त निर्देशों के विपरीत सयुक्त निदेशक माध्यमिक शिक्षा विभाग के द्वारा अवैध रूप से चयनित सेवा प्रदाता को ओटीपी प्रदान कर सेवायोजन पोर्टल पर विज्ञापन सत्यापन कर प्रकाशित करा दिया गया।

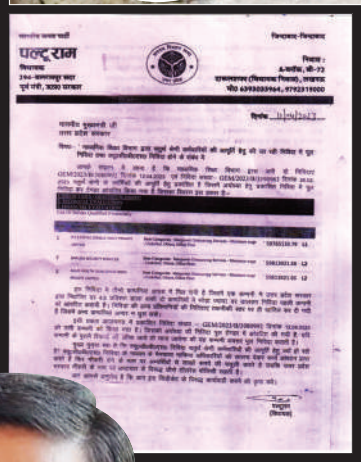

शिकायतकर्ता भाजपा विधायक पल्टूराम

242 सेवा प्रदाताओं ने निविदा दी तीन को ही मिली मंजूरी

अभ्यर्थियों से भी वसूल रहे हैं रकम

वहीं जानकारी मिली है कि विज्ञापन में प्रकाशित पदों हेतु आवेदकों से 11 माह के काम की बात कही गई साथ ही उनको झूठे आश्वासन दिया गया कि उनकी नौकरी पक्की कर दी जाएगी। इसके लिए अभ्यर्थियों से लाखों रूपये वसूले जा रहे हैं। सबसे बड़ी बात है कि पूरे प्रकरण में देश के पूर्व प्रधानमंत्री के पुत्र का नाम भी प्रमुखता से लिया जा रहा है। शिकायतकर्ता ने पूरे प्रकरण की जांच किसी निष्पक्ष एजेंसी , सीबीसीआईडी, विजिलेंस से कराने की अपील की है। साथ ही भ्रष्टाचार में लिप्त कर्मचारी / अधिकारी के विरूद्ध कठोर विधिक कार्यवाही करने की मांग की है।

> “ योगी सरकार के सारे विभागों में भ्रष्टाचार हो रहा है। पूरी भाजपा सरकार ही आकंठ भ्रष्टाचार में डुबी है। यहां पर भी कर्नाटक की भाजपा सरकार की तरह कट मनी चल रही है। सरकार नौकरियां तो निकाली है पर या तो उनके पेपर लीक हो जातें है नहीं तो हाईकोर्ट से स्टे लेकर नौकरियां रोक दी जाती हैं।
>
> द्विजेंद्र त्रिपाठी प्रवक्ता कांग्रेस

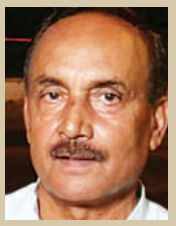

> “ ये एक गंभीर मामला है। सत्ता पक्ष का विधायक ही जब अपनी सरकार पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाए तो यह मामला और भी चिंतनीय है। उन्होंने भाजपा सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि इनकी कथनी व करनी में बहुत अंतर है। पूरे प्रदेश में रिश्वत खोरी चल रही है पर सरकार वाहवाही में जुटी है जबकि आम जनता परेशान है।
>
> अनिल दुबे राष्ट्रीय सचिव रालोद

मणिपुर में फिर भड़की हिंसा, नौ की मौत

» लगातार तीसरे दिन उग्रवादियों का हमला, गोलीबारी में 10 घायल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

इम्फाल। मणिपुर में हिंसा थमने का नाम नहीं ले रही है। जैसे ही सरकार और आम लोगों को लगता है कि तनाव शांत हो गया है। वैसे ही फिर गोलीबारी होने लगती है। बुधवार को पुलिस ने बताया कि इमफल ईस्ट जिले के खामेनलोक इलाके में देर रात गोलीबारी की एक घटना हुई। इसमें नौ लोगों की मौत, जबकि 10 अन्य घायल हुए हैं।

पुलिस ने बताया कि हथियारों से लैस उग्रवादियों ने इमफल पूर्वी जिले और कांगपोकी जिले की सीमा से लगे खामेनलोक क्षेत्र के ग्रामीणों को घेर लिया और रात करीब एक बजे हमला किया। इससे नौ लोगों की मौत हो गई। वहीं 10 लोग घायल हुए हैं। घायलों को इमफल के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बता दें, यह क्षेत्र मैतेई-बहुल इंफाल पूर्वी जिले और आदिवासी बहुल कांगपोकपी जिले की सीमाओं के साथ स्थित है। वहीं, सोमवार को भी इसी इलाके में एक गोलीबारी की एक घटना हुई थी, जिसमें नौ लोग घायल हुए थे। यहां विद्रोही संगठन के लोगों और ग्रामीणों में सोमवार देर रात गोलीबारी हुई थी, जिसमें दोनों तरफ से नौ लोग घायल हुए थे। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया था कि पहले तीन लोगों के घायल होने की खबर थी। हालांकि, गोलीबारी जारी रहने के कारण घायलों की संख्या बढ़कर नौ हो गई थी।

कुकी उग्रवादियों के साथ मुठभेड़

पुलिस के अनुसार, बिष्णुपुर जिले के फौगाकचाओ इखाई में मंगलवार को सुरक्षा बलों की कुकी उग्रवादियों के साथ मुठभेड़ हुई। दरअसल, कुकी उग्रवादी मैतेई इलाकों के पास बंकर बनाने की कोशिश कर रहे थे, तभी सुरक्षा बलों ने उन्हें चुनौती दी, जिसके परिणामस्वरूप दोनों ओर से गोलीबारी हुई। इस बीच, जिला अधिकारियों ने कुछ घंटों के लिए कर्फ्यू में ढील दी है। मणिपुर में बीते एक महीने से जारी हिंसा में कम से कम 100 लोगों की मौत हुई है और 310 अन्य घायल हुए हैं।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।